

सनराइज विश्वविद्यालय, बगड़ राजपूत (अलवर) विधेयक, 2011

(जैसाकि राजस्थान विधान सभा में पुरःस्थापित किया जायेगा)

राजस्थान राज्य में सनराइज विश्वविद्यालय, बगड़ राजपूत (अलवर) की स्थापना और निगमन के लिए और उससे संसक्त और आनुषंगिक विषयों के लिए उपबंध करने के लिए विधेयक।

यतः विश्व और देश में ज्ञान के सभी क्षेत्रों में तीव्र विकास के साथ-साथ कदम मिलाने को दृष्टि में रखते हुए युवाओं को उनके निकटतम स्थान पर अधुनातन शैक्षणिक सुविधाओं का उपबंध करने के लिए राज्य में विश्व स्तरीय आधुनिक अनुसंधान और अध्ययन सुविधाओं का सृजन करना आवश्यक है जिससे उन्हें विश्व की उदार आर्थिक और सामाजिक व्यवस्था में मानव संसाधनों से संगत बनाया जा सके;

और यतः, ज्ञान के क्षेत्र में तीव्र प्रगति और मानव संसाधनों की परिवर्तनशील अपेक्षाओं से यह आवश्यक हो गया है कि शैक्षणिक अनुसंधान और विकास की ऐसी संसाधनपूर्ण और त्वरित और उत्तरदायी प्रणाली सृजित की जाये जो एक आवश्यक विनियामक व्यवस्था के अधीन उद्यमितापूर्ण उत्साह से कार्य कर सके और ऐसी प्रणाली, उच्चतर शिक्षा में कार्यरत पर्याप्त संसाधन और अनुभव रखने वाली प्राइवेट संस्थाओं को विश्वविद्यालयों की स्थापना करने के लिए अनुज्ञात करने से और ऐसे विश्वविद्यालयों को ऐसे विनियामक उपबंधों से, जो ऐसी संस्थाओं के कुशल कार्यकरण को सुनिश्चित करें, निगमित करने से सृजित की जा सकती है;

और यतः, सनराइज इन्टीग्रेटेड एजुकेशनल ट्रस्ट, अलवर, जो राजस्थान लोक न्यास अधिनियम, 1959 (1959 का अधिनियम सं. 42) के अधीन सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर खण्ड, जयपुर के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण सं. 4 अलवर 2006, दिनांक 29.08.2006 के द्वारा रजिस्ट्रीकृत एक लोक न्यास है;

और यतः, उक्त सनराइज इन्टीग्रेटेड एजुकेशनल ट्रस्ट, अलवर ने राजस्थान राज्य में ग्राम बगड़ राजपूत, तहसील रामगढ़, जिला अलवर में अनुसूची 1 में यथा विनिर्दिष्ट भौतिक और शैक्षणिक दोनों प्रकार की

शैक्षिक अवसंरचनाएं स्थापित कर ली हैं और अनुसूची 2 में विनिर्दिष्ट शाखाओं में अनुसंधान और अध्ययन के लिए एक विश्वविद्यालय में उक्त अवसंरचना का विनिधान करने के लिए सहमत हो गया है और इस अधिनियम के उपबंधों के अनुसार विन्यास निधि की स्थापना में उपयोजित किये जाने के लिए एक करोड़ रुपये की रकम भी जमा करा दी है;

और यतः, उपर्युक्त अवसंरचना की पर्याप्तता की जांच राज्य सरकार द्वारा इस निमित्त नियुक्त समिति द्वारा कर ली गयी है जिसके सदस्य कुलपति, महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर, संयुक्त निदेशक, महाविद्यालय शिक्षा, राजस्थान, जयपुर, निदेशक, पोद्दार प्रबंधन संस्थान, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर और प्राचार्य, महिला अभियांत्रिकी महाविद्यालय, अजमेर थे;

और यतः, यदि उपर्युक्त अवसंरचना का उपयोजन विश्वविद्यालय के रूप में निगमन में किया जाता है और उक्त सनराइज इन्टीग्रेटेड एजुकेशनल ट्रस्ट, अलवर को विश्वविद्यालय चलाने के लिए अनुज्ञात किया जाता है तो इससे राज्य की जनता के शैक्षणिक विकास में योगदान होगा;

अतः अब, भारत गणराज्य के बासठवें वर्ष में राजस्थान राज्य विधान-मण्डल निम्नलिखित अधिनियम बनाता है:-

1. संक्षिप्त नाम, प्रसार और प्रारम्भ.-(1) इस अधिनियम का नाम सनराइज विश्वविद्यालय, बगड़ राजपूत (अलवर) अधिनियम, 2011 है।

(2) इसका प्रसार सम्पूर्ण राजस्थान राज्य में है।

(3) यह 18 जुलाई, 2011 को और प्रवृत्त हुआ समझा जायेगा।

2. परिभाषाएं.- इस अधिनियम में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,-

(क) "अ.भा.त.शि.प." से अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् अधिनियम, 1987 (1987 का केन्द्रीय अधिनियम सं. 52) के अधीन स्थापित अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् अभिप्रेत है;

- (ख) "वै.औ.अ.प." से केन्द्रीय सरकार की वित्तपोषण एजेन्सी-वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली अभिप्रेत है;
- (ग) "दू.शि.प." से इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय अधिनियम, 1985 (1985 का केन्द्रीय अधिनियम सं. 50) की धारा 28 के अधीन स्थापित दूरस्थ शिक्षा परिषद् अभिप्रेत है;
- (घ) "दूरस्थ शिक्षा" से संचार अर्थात् प्रसारण, टेलीकॉस्टिंग, पत्राचार पाठ्यक्रम, सेमिनार, संपर्क कार्यक्रम और ऐसी ही किसी अन्य कार्यपद्धति के किसी भी दो या अधिक साधनों के संयोजन द्वारा दी गयी शिक्षा अभिप्रेत है;
- (ङ) "वि.प्रौ.वि." से केन्द्रीय सरकार का विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग अभिप्रेत है;
- (च) "कर्मचारी" से विश्वविद्यालय में कार्य करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त कोई व्यक्ति अभिप्रेत है और इसमें विश्वविद्यालय के अध्यापक, अधिकारी तथा अन्य कर्मचारी सम्मिलित हैं;
- (छ) "फीस" से विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों से किसी भी प्रकार के किसी भी नाम से किया गया संग्रहण अभिप्रेत है जो प्रतिदेय नहीं है;
- (ज) "सरकार" से राजस्थान की राज्य सरकार अभिप्रेत है;
- (झ) "उच्चतर शिक्षा" से 10+2 स्तर के ऊपर ज्ञान के अध्ययन के लिए पाठ्यचर्या या पाठ्यक्रम का अध्ययन अभिप्रेत है;
- (ञ) "छात्रावास" से विश्वविद्यालय या उसके महाविद्यालयों, संस्थाओं या केन्द्रों के छात्रों के लिए विश्वविद्यालय द्वारा इस रूप में संधारित या मान्यताप्राप्त निवास स्थान अभिप्रेत है;
- (ट) "भा.कृ.अ.प." से सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1860 (1860 का केन्द्रीय अधिनियम सं. 21) के

अधीन रजिस्ट्रीकृत सोसाइटी - भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् अभिप्रेत है;

- (ठ) "भा.आ.प." से भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का केन्द्रीय अधिनियम सं.102) की धारा 3 के अधीन गठित भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अभिप्रेत है;
- (ड) "रा.नि.प्र.प." से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की एक स्वायत्त संस्था-राष्ट्रीय निर्धारण और प्रत्यायन परिषद्, बंगलोर अभिप्रेत है;
- (ढ) "रा.अ.शि.प." से राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् अधिनियम, 1993 (1993 का केन्द्रीय अधिनियम सं. 73) की धारा 3 के अधीन गठित राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् अभिप्रेत है;
- (ण) "निवेश बाह्य केन्द्र" से विश्वविद्यालय द्वारा मुख्य निवेश के बाहर स्थापित उसका, उसकी घटक इकाई के रूप में प्रचालित और संधारित कोई केन्द्र अभिप्रेत है जिसमें विश्वविद्यालय की पूरक सुविधाएं, संकाय और स्टाफ हो;
- (त) "भा.औ.प." से भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का केन्द्रीय अधिनियम सं. 8) की धारा 3 के अधीन गठित भारतीय औषध परिषद् अभिप्रेत है;
- (थ) "विहित" से इस अधिनियम के अधीन बनाये गये परिनियमों द्वारा विहित अभिप्रेत है;
- (द) "विनियमन निकाय" से उच्चतर शिक्षा के शैक्षिक मानक सुनिश्चित करने के लिए मानदण्ड और शर्तें अधिकथित करने के लिए तत्समय प्रवृत्त किसी भी विधि द्वारा या अधीन स्थापित या गठित कोई निकाय जैसे वि.अ.आ., अ.भा.त.शि.प., रा.अ.शि.प., भा.आ.प., भा.औ.प., रा.नि.प्र.प., भा.कृ.अ.प., दू.शि.प., वै.औ.अ.प. आदि अभिप्रेत हैं और इसमें राज्य सरकार सम्मिलित है;

- (ध) "नियम" से इस अधिनियम के अधीन बनाये गये नियम अभिप्रेत हैं;
- (न) "अनुसूची" से इस अधिनियम की अनुसूची अभिप्रेत है;
- (प) "प्रायोजक निकाय" से सनराइज इन्टीग्रेटेड एजुकेशनल ट्रस्ट, अलवर, जो राजस्थान लोक न्यास अधिनियम, 1959 (1959 का अधिनियम सं. 42) के अधीन सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर खण्ड, जयपुर के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण सं. 4 अलवर 2006, दिनांक 29.08.2006 के द्वारा रजिस्ट्रीकृत एक लोक न्यास है, अभिप्रेत है;
- (फ) "परिनियम", "आर्डिनेन्स" और "विनियम" से इस अधिनियम के अधीन बनाये गये विश्वविद्यालय के क्रमशः परिनियम, आर्डिनेन्स और विनियम अभिप्रेत हैं;
- (ब) "विश्वविद्यालय का छात्र" से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जो विश्वविद्यालय द्वारा सम्यक् रूप से संस्थित किसी उपाधि, डिप्लोमा या अन्य विद्या संबंधी उपाधि के लिए, जिसमें अनुसंधान उपाधि सम्मिलित है, पाठ्यक्रमानुसार अध्ययन करने हेतु विश्वविद्यालय में नामांकित हो;
- (भ) "अध्ययन केन्द्र" से दूरस्थ शिक्षा के संदर्भ में सलाह देने, परामर्श करने या छात्रों द्वारा अपेक्षित कोई अन्य सहायता देने के प्रयोजन के लिए विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित और संधारित या मान्यताप्राप्त कोई केन्द्र अभिप्रेत है;
- (म) "अध्यापक" से विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के लिए छात्रों को शिक्षा देने या अनुसंधान में मार्गदर्शन करने या किसी भी अन्य रूप में मार्गदर्शन करने के लिए अपेक्षित कोई आचार्य, सह आचार्य, सहायक आचार्य या कोई अन्य व्यक्ति अभिप्रेत है;

(य) "वि.अ.आ." से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 (1956 का केन्द्रीय अधिनियम सं. 3) की धारा 4 के अधीन स्थापित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अभिप्रेत है; और

(यक) "विश्वविद्यालय" से सनराइज विश्वविद्यालय, बगड़ राजपूत (अलवर) अभिप्रेत है।

3. निगमन.- (1) विश्वविद्यालय के प्रथम चेयरपर्सन और प्रथम प्रेसीडेन्ट और प्रबंध बोर्ड और विद्या परिषद् के प्रथम सदस्य और ऐसे सभी व्यक्तियों, जो इसके पश्चात् ऐसे अधिकारी या सदस्य हो जाते हैं, जब तक वे ऐसा पद या सदस्यता धारण किये रहते हैं, से इसके द्वारा सनराइज विश्वविद्यालय, बगड़ राजपूत (अलवर) के नाम से एक निगमित निकाय गठित किया जाता है।

(2) अनुसूची 1 में विनिर्दिष्ट जंगम और स्थावर संपत्ति विश्वविद्यालय में निहित की जायेगी और प्रायोजक निकाय इस अधिनियम का प्रारंभ होने के ठीक पश्चात् ऐसा निहित करने के लिए कदम उठायेगा।

(3) विश्वविद्यालय का शाश्वत उत्तराधिकार और एक सामान्य मुद्रा होगी और वह उक्त नाम से वाद ला सकेगा और उस पर वाद लाया जा सकेगा।

(4) विश्वविद्यालय ग्राम बगड़ राजपूत, तहसील रामगढ़, जिला अलवर (राजस्थान) में अवस्थित होगा और वहीं उसका मुख्यालय होगा।

4. विश्वविद्यालय के उद्देश्य.- विश्वविद्यालय के उद्देश्य अनुसूची 2 में विनिर्दिष्ट शाखाओं में और ऐसी अन्य शाखाओं में, जो विश्वविद्यालय, राज्य सरकार के पूर्व अनुमोदन से, समय-समय पर अवधारित करे, अनुसंधान और अध्ययन हाथ में लेने तथा उक्त शाखाओं में उत्कृष्टता प्राप्त करने और ज्ञान का प्रसार करने के हैं।

5. विश्वविद्यालय की शक्तियां और कृत्य.- विश्वविद्यालय की निम्नलिखित शक्तियां और कृत्य होंगे, अर्थात्:-

- (क) अनुसूची 2 में विनिर्दिष्ट शाखाओं में शिक्षण का उपबंध करना और अनुसंधान और ज्ञान के अभिवर्धन और प्रसार के लिए उपबंध करना;
- (ख) ऐसी शर्तों के अध्यक्षीन रहते हुए, जो विश्वविद्यालय अवधारित करे, व्यक्तियों को परीक्षाओं, मूल्यांकन या किसी भी अन्य रीति से परीक्षण के आधार पर डिप्लोमा या प्रमाणपत्र देना और उपाधियां या अन्य शैक्षणिक उपाधियां प्रदान करना, और ठोस और पर्याप्त कारण से किन्हीं भी ऐसे डिप्लोमों, प्रमाणपत्रों, उपाधियों या अन्य शैक्षणिक उपाधियों को वापस लेना;
- (ग) निवेश बाह्य अध्ययन और विस्तार सेवा आयोजित करना और हाथ में लेना;
- (घ) विहित रीति से मानद उपाधियां या अन्य उपाधियां प्रदान करना;
- (ङ) पत्राचार सहित शिक्षण और ऐसे अन्य पाठ्यक्रम, जो अवधारित किये जायें, का उपबंध करना;
- (च) विश्वविद्यालय द्वारा अपेक्षित आचार्य पद, सह आचार्य पद, सहायक आचार्य पद और अन्य अध्यापन, या शैक्षणिक पदों को संस्थित करना और उन पर नियुक्ति करना;
- (छ) प्रशासनिक, लिपिकवर्गीय और अन्य पदों को सृजित करना और उन पर नियुक्तियां करना;
- (ज) स्थायी रूप से या किसी विनिर्दिष्ट कालावधि के लिए किसी भी अन्य विश्वविद्यालय या संगठन में कार्यरत विनिर्दिष्ट ज्ञान रखने वाले व्यक्तियों को नियुक्त करना;
- (झ) किसी भी अन्य विश्वविद्यालय या प्राधिकारी या संस्था के साथ ऐसी रीति से और ऐसे प्रयोजन के लिए सहकार करना, सहयोग करना या सहयुक्त करना, जो विश्वविद्यालय अवधारित करे;
- (ञ) अध्ययन केन्द्र स्थापित करना, और अनुसंधान और शिक्षण के लिए विद्यालयों, संस्थाओं और ऐसे केन्द्रों, विशिष्ट

प्रयोगशालाओं या अन्य इकाइयों का संधारण करना, जो विश्वविद्यालय की राय में उसके उद्देश्य को अग्रसर करने के लिए आवश्यक हैं;

- (ट) अध्येतावृत्तियां, छात्रवृत्तियां, अध्ययनवृत्तियां, पदक और पुरस्कार संस्थित करना और प्रदान करना;
- (ठ) विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए छात्रावासों की स्थापना करना और उनका संधारण करना;
- (ड) अनुसंधान और परामर्श के लिए उपबंध करना, और उस प्रयोजन के लिए अन्य संस्थानों या निकायों के साथ ऐसे समझौते करना जो विश्वविद्यालय आवश्यक समझे;
- (ढ) विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए मानक अवधारित करना जिसमें परीक्षा, मूल्यांकन या परीक्षण की कोई भी अन्य रीति सम्मिलित हो सकेगी;
- (ण) फीसों और अन्य प्रभारों की मांग करना और संदाय प्राप्त करना;
- (त) विश्वविद्यालय के छात्रों के निवास का पर्यवेक्षण करना और उनके स्वास्थ्य और सामान्य कल्याण की अभिवृद्धि के लिए व्यवस्था करना;
- (थ) छात्राओं के संबंध में ऐसी विशेष व्यवस्थाएं करना जिन्हें विश्वविद्यालय वांछनीय समझे;
- (द) विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और छात्रों में अनुशासन का विनियमन और प्रवर्तन करना और इस संबंध में ऐसे अनुशासनिक उपाय करना जिन्हें विश्वविद्यालय द्वारा आवश्यक समझा जाये;
- (ध) विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के स्वास्थ्य और सामान्य कल्याण के उन्नयन के लिए व्यवस्था करना;
- (न) दान प्राप्त करना और किसी भी जंगम या स्थावर संपत्ति का अर्जन करना, धारण करना, प्रबंध करना और व्ययन करना;
- (प) विश्वविद्यालय के प्रयोजनों के लिए, प्रायोजक निकाय के अनुमोदन से धन उधार लेना;

- (फ) प्रायोजक निकाय के अनुमोदन से विश्वविद्यालय की संपत्ति को बंधक या आडमान रखना;
- (ब) परीक्षा केन्द्र स्थापित करना;
- (भ) यह सुनिश्चित करना कि उपाधियों, डिप्लोमों, प्रमाणपत्रों और अन्य विद्या संबंधी उपाधियों इत्यादि का स्तर उससे कम नहीं हो जो अ.भा.त.शि.प., रा.अ.शि.प., वि.अ.आ., भा.आ.प., भा.औ.प. और शिक्षा के विनियमन के लिए तत्समय प्रवृत्त किसी विधि के द्वारा या अधीन स्थापित जैसे ही अन्य निकायों द्वारा अधिकथित किये गये हों;
- (म) तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के उपबंधों के अधीन रहते हुए, राज्य के भीतर या बाहर बाह्य निवेश केन्द्र स्थापित करना; और
- (य) ऐसे सभी कार्य और बातें करना जो विश्वविद्यालय के सभी उद्देश्यों या उनमें से किसी भी उद्देश्य की प्राप्ति के लिए आवश्यक, आनुषंगिक या सहायक हों।

6. विश्वविद्यालय का स्व-वित्तपोषित होना.- विश्वविद्यालय स्व-वित्तपोषित होगा और राज्य सरकार से कोई भी अनुदान या अन्य वित्तीय सहायता प्राप्त करने का हकदार नहीं होगा।

7. संबद्ध करने की शक्ति का न होना.- विश्वविद्यालय को किसी भी अन्य संस्था को संबद्ध करने या अन्यथा अपने विशेषाधिकार देने की शक्ति नहीं होगी।

8. विन्यास निधि.- (1) इस अधिनियम के प्रवृत्त होने के पश्चात् यथाशक्य शीघ्र एक करोड़ रुपये की रकम से, जो प्रायोजक निकाय द्वारा राज्य सरकार को जमा करवा दी गयी है, विन्यास निधि स्थापित की जायेगी।

(2) विन्यास निधि का प्रतिभूति निक्षेप के रूप में उपयोग यह सुनिश्चित करने के लिए किया जायेगा कि विश्वविद्यालय इस अधिनियम के उपबंधों का अनुपालन करता है और इस अधिनियम, परिनियमों और आर्डिनेंसों के उपबंधों के अनुसार कार्य करता है। यदि विश्वविद्यालय या प्रायोजक निकाय इस अधिनियम या तदधीन बनाये

गये परिनियमों, आर्डिनेंसों, विनियमों या नियमों के किसी भी उपबंध का उल्लंघन करता है तो राज्य सरकार को सम्पूर्ण विन्यास निधि या उसका भाग विहित रीति से समपहत करने की शक्ति होगी।

(3) विन्यास निधि से प्राप्त आय का उपयोजन विश्वविद्यालय की अवसंरचना के विकास के लिए किया जा सकेगा किन्तु उसका उपयोग विश्वविद्यालय के आवर्ती व्यय की पूर्ति करने में नहीं किया जायेगा।

(4) विन्यास निधि की रकम, राज्य सरकार द्वारा जारी की गयी या प्रत्याभूत दीर्घकालिक प्रतिभूतियों में विश्वविद्यालय के नाम से विनिहित की जायेगी और विश्वविद्यालय के विघटन तक विनिहित रखी जायेगी या सरकारी खजाने में ब्याज वाले प्रायोजक निकाय के व्यक्तिगत जमा लेखा में जमा की जायेगी और विश्वविद्यालय के विघटन तक जमा रखी जायेगी।

(5) दीर्घकालिक प्रतिभूतियों में विनिधान के मामले में प्रतिभूतियों के प्रमाणपत्र राज्य सरकार की सुरक्षित अभिरक्षा में रखे जायेंगे और सरकारी खजाने में ब्याज वाले व्यक्तिगत जमा लेखा में जमा के मामले में जमा इस शर्त पर की जायेगी कि रकम राज्य सरकार की अनुज्ञा के बिना नहीं निकाली जायेगी।

9. साधारण निधि.- विश्वविद्यालय एक निधि स्थापित करेगा जिसे साधारण निधि कहा जायेगा जिसमें निम्नलिखित जमा किया जायेगा, अर्थात्:-

- (क) विश्वविद्यालय द्वारा प्राप्त फीस और अन्य प्रभार;
- (ख) प्रायोजक निकाय द्वारा किया गया कोई अभिदाय;
- (ग) विश्वविद्यालय द्वारा उसके उद्देश्यों के अनुसरण में दी गयी परामर्शी सेवा और किये गये अन्य कार्य से प्राप्त आय;
- (घ) न्यास, वसीयत, दान, विन्यास और अन्य कोई अनुदान; और
- (ङ) विश्वविद्यालय द्वारा प्राप्त समस्त अन्य राशियां।

10. साधारण निधि का उपयोजन.- साधारण निधि का उपयोजन, विश्वविद्यालय के मामलों से संबंधित सभी आवर्ती या अनावर्ती व्ययों को पूरा करने में किया जायेगा:

परन्तु विश्वविद्यालय द्वारा कोई भी व्यय वर्ष के लिए कुल आवर्ती व्यय और कुल अनावर्ती व्यय की सीमाओं, जो प्रबंध बोर्ड द्वारा नियत की जायें, के बाहर, प्रबंध बोर्ड के पूर्व अनुमोदन के बिना, उपगत नहीं किया जायेगा।

11. विश्वविद्यालय के अधिकारी.- विश्वविद्यालय के निम्नलिखित अधिकारी होंगे, अर्थात्:-

- (i) चेयरपर्सन;
- (ii) प्रेसीडेन्ट;
- (iii) प्रति-प्रेसीडेन्ट;
- (iv) प्रोवोस्ट;
- (v) कुलानुशासक;
- (vi) संकार्यों के संकायाध्यक्ष;
- (vii) कुल-सचिव;
- (viii) मुख्य वित्त और लेखा अधिकारी; और
- (ix) ऐसे अन्य अधिकारी जो परिनियमों द्वारा विश्वविद्यालय के अधिकारी घोषित किये जायें।

12. चेयरपर्सन.- (1) चेयरपर्सन, राज्य सरकार की सहमति से प्रायोजक निकाय द्वारा, उसके पद ग्रहण करने की तारीख से पांच वर्ष की कालावधि के लिए नियुक्त किया जायेगा और वह पुनर्नियुक्ति का पात्र नहीं होगा:

परन्तु चेयरपर्सन, उसकी पदावधि समाप्त होने पर भी तब तक पद धारण करेगा जब तक कि उसका पदोत्तरवर्ती पद ग्रहण नहीं कर लेता है।

(2) चेयरपर्सन के पद की कोई रिक्ति ऐसी रिक्ति की तारीख से छह मास के भीतर-भीतर भरी जायेगी।

(3) चेयरपर्सन, उसके पदाभिधान से विश्वविद्यालय का प्रधान होगा।

(4) चेयरपर्सन, यदि उपस्थित हो, प्रबंध बोर्ड की बैठकों की और उपाधियां, डिप्लोमे या अन्य विद्या संबंधी उपाधियां प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करेगा।

(5) चेयरपर्सन की निम्नलिखित शक्तियां होंगी, अर्थात्:-

(क) विश्वविद्यालय के मामलों के संबंध में किसी भी सूचना या अभिलेख की अपेक्षा करना;

(ख) प्रेसीडेंट नियुक्त करना;

(ग) धारा 13 की उप-धारा (8) के उपबंधों के अनुसार प्रेसीडेंट को हटाना; और

(घ) ऐसी अन्य शक्तियां जो परिनियमों द्वारा विहित की जायें।

13. प्रेसीडेंट.-(1) प्रेसीडेंट की नियुक्ति प्रबंध बोर्ड द्वारा सिफारिश किये गये तीन व्यक्तियों के पैनल में से चेयरपर्सन द्वारा की जायेगी और वह उप-धारा (8) में अन्तर्विष्ट उपबंधों के अध्यक्षीन रहते हुए, तीन वर्ष की अवधि के लिए पद धारित करेगा:

परन्तु तीन वर्ष की अवधि की समाप्ति के पश्चात् वह व्यक्ति तीन वर्ष की अन्य अवधि के लिए पुनर्नियुक्ति का पात्र होगा:

परन्तु यह और कि प्रेसीडेंट उसकी अवधि समाप्त होने पर भी तब तक पद धारित करेगा जब तक कि उसका पदोत्तरवर्ती पद ग्रहण नहीं कर लेता है।

(2) प्रेसीडेंट के पद की कोई रिक्ति ऐसी रिक्ति की तारीख से छह मास के भीतर-भीतर भरी जायेगी।

(3) प्रेसीडेंट विश्वविद्यालय का प्रधान कार्यपालक और शैक्षणिक अधिकारी होगा और विश्वविद्यालय के कार्यकलापों का साधारण अधीक्षण और नियंत्रण करेगा और विश्वविद्यालय के प्राधिकारियों के विनिश्चयों का निष्पादन करेगा।

(4) प्रेसीडेंट, चेयरपर्सन की अनुपस्थिति में विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करेगा।

(5) यदि प्रेसीडेंट की राय में किसी भी ऐसे मामले में तुरन्त कार्रवाई करना आवश्यक हो जिसके लिए शक्तियां इस अधिनियम के द्वारा या अधीन किसी भी अन्य प्राधिकारी को प्रदत्त की गयी हैं तो वह

ऐसी कार्रवाई कर सकेगा जो वह आवश्यक समझे और तत्पश्चात् अपनी कार्रवाई की रिपोर्ट सर्वप्रथम अवसर पर ऐसे अधिकारी या प्राधिकारी को करेगा जिसने सामान्य अनुक्रम में मामले को निपटाया होता:

परन्तु यदि संबंधित अधिकारी या प्राधिकारी की राय में ऐसी कार्रवाई प्रेसीडेन्ट द्वारा नहीं की जानी चाहिए थी तो ऐसा मामला चेयरपर्सन को निर्दिष्ट किया जायेगा जिस पर उसका विनिश्चय अंतिम होगा:

परन्तु यह और कि जहां प्रेसीडेन्ट द्वारा की गयी ऐसी कोई भी कार्रवाई विश्वविद्यालय की सेवा में के किसी भी व्यक्ति को प्रभावित करती है तो ऐसा व्यक्ति, उसे संसूचित ऐसी कार्रवाई की तारीख से तीन मास के भीतर-भीतर प्रबंध बोर्ड को अपील करने का हकदार होगा और प्रबंध बोर्ड, प्रेसीडेन्ट द्वारा की गयी कार्रवाई को पुष्ट या उपांतरित कर सकेगा या उलट सकेगा।

(6) यदि, प्रेसीडेन्ट की राय में विश्वविद्यालय के किसी प्राधिकारी का कोई भी विनिश्चय इस अधिनियम या तदधीन बनाये गये परिनियमों, आर्डिनेंसों, विनियमों या नियमों द्वारा प्रदत्त शक्तियों के बाहर है या उससे विश्वविद्यालय के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है तो वह संबंधित प्राधिकारी को उसके विनिश्चय की तारीख से पन्द्रह दिन के भीतर-भीतर विनिश्चय का पुनरीक्षण करने का निदेश दे सकेगा और यदि वह प्राधिकारी ऐसे विनिश्चय का पुनरीक्षण करने से इन्कार करता है या विफल रहता है तो ऐसा मामला चेयरपर्सन को निर्दिष्ट किया जायेगा और उस पर उसका विनिश्चय अंतिम होगा।

(7) प्रेसीडेन्ट ऐसी अन्य शक्तियों का प्रयोग और ऐसे अन्य कर्तव्यों का पालन करेगा जो परिनियमों या आर्डिनेंसों द्वारा विहित किये जायें।

(8) यदि चेयरपर्सन का, उसको किये गये किसी अभ्यावेदन पर या अन्यथा की गयी या करवायी गयी जांच पर यह समाधान हो जाये कि प्रेसीडेन्ट का उसके पद पर बने रहना विश्वविद्यालय के हितों के प्रतिकूल है या स्थिति में ऐसा अपेक्षित हो तो वह लिखित आदेश द्वारा, उसमें ऐसा करने के कारणों को वर्णित करते हुए, प्रेसीडेन्ट से ऐसी

तारीख से, जो आदेश में विनिर्दिष्ट की जाये, उसका पद छोड़ने के लिए कह सकेगा:

परन्तु इस उप-धारा के अधीन कोई कार्रवाई करने के पूर्व प्रेसीडेन्ट को सुनवाई का अवसर दिया जायेगा।

14. प्रति-प्रेसीडेन्ट.- (1) प्रति-प्रेसीडेन्ट की नियुक्ति चेयरपर्सन द्वारा प्रेसीडेन्ट के परामर्श से की जायेगी।

(2) प्रति-प्रेसीडेन्ट तीन वर्ष की कालावधि के लिए पद धारित करेगा और दूसरी पदावधि के लिए पुनर्नियुक्ति का पात्र होगा।

(3) प्रति-प्रेसीडेन्ट की सेवा की शर्तें ऐसी होंगी जो परिनियमों द्वारा विहित की जायें।

(4) यदि चेयरपर्सन का, उसको किये गये किसी अभ्यावेदन पर या अन्यथा की गयी या करवायी गयी जांच पर यह समाधान हो जाये कि प्रति-प्रेसीडेन्ट का उसके पद पर बने रहना विश्वविद्यालय के हितों के प्रतिकूल है या स्थिति में ऐसा अपेक्षित हो तो वह लिखित आदेश द्वारा, उसमें ऐसा करने के कारणों को वर्णित करते हुए, प्रति-प्रेसीडेन्ट से ऐसी तारीख से, जो आदेश में विनिर्दिष्ट की जाये, उसका पद छोड़ने के लिए कह सकेगा:

परन्तु इस उप-धारा के अधीन कोई कार्रवाई करने के पूर्व प्रति-प्रेसीडेन्ट को सुनवाई का अवसर दिया जायेगा।

(5) प्रति-प्रेसीडेन्ट, ऐसे मामलों में, जो प्रेसीडेन्ट द्वारा उसे समय-समय पर समनुदेशित किये जायें, प्रेसीडेन्ट की सहायता करेगा और ऐसी शक्तियों का प्रयोग और ऐसे कृत्यों का पालन करेगा जो प्रेसीडेन्ट द्वारा उसे प्रत्यायोजित किये जायें।

15. प्रोवोस्ट.-(1) प्रोवोस्ट की नियुक्ति प्रेसीडेन्ट द्वारा ऐसी कालावधि के लिए और ऐसी रीति से की जायेगी जो परिनियमों द्वारा विहित की जाये।

(2) प्रोवोस्ट विश्वविद्यालय में अनुशासन को सुनिश्चित करेगा और अध्यापकों और कर्मचारियों के विभिन्न संघों को विश्वविद्यालय की विभिन्न नीतियों और पद्धतियों के बारे में सूचित करेगा।

(3) प्रोवोस्ट ऐसी अन्य शक्तियों का प्रयोग और ऐसे अन्य कर्तव्यों का पालन करेगा जो परिनियमों द्वारा विहित किये जायें।

16. कुलानुशासक.- (1) कुलानुशासक की नियुक्ति प्रेसीडेंट द्वारा ऐसी कालावधि के लिए और ऐसी रीति से की जायेगी जो परिनियमों द्वारा विहित की जाये।

(2) कुलानुशासक छात्रों में अनुशासन बनाये रखने और विभिन्न छात्र संघों को विश्वविद्यालय की विभिन्न नीतियों और पद्धतियों के बारे में सूचित करने के लिए उत्तरदायी होगा।

(3) कुलानुशासक ऐसी अन्य शक्तियों का प्रयोग और ऐसे अन्य कर्तव्यों का पालन करेगा जो परिनियमों द्वारा विहित किये जायें।

17. संकाय का संकायाध्यक्ष.- (1) प्रत्येक संकाय के लिए एक संकायाध्यक्ष होगा जो प्रेसीडेंट द्वारा तीन वर्ष की कालावधि के लिए ऐसी रीति से नियुक्त किया जायेगा जो परिनियमों द्वारा विहित की जाये।

(2) संकायाध्यक्ष, प्रेसीडेंट के परामर्श से, जब कभी भी अपेक्षित हो, संकाय की बैठक बुलायेगा और उसकी अध्यक्षता करेगा। वह संकाय की नीतियां और विकास कार्यक्रम बनायेगा और उन्हें समुचित प्राधिकारियों को उनके विचारार्थ प्रस्तुत करेगा।

(3) संकाय का संकायाध्यक्ष ऐसी अन्य शक्तियों का प्रयोग और ऐसे अन्य कर्तव्यों का पालन करेगा जो परिनियमों द्वारा विहित किये जायें।

18. कुल-सचिव.- (1) कुल-सचिव की नियुक्ति चेयरपर्सन द्वारा ऐसी रीति से की जायेगी जो परिनियमों द्वारा विहित की जाये।

(2) विश्वविद्यालय की ओर से कुल-सचिव द्वारा सभी संविदाएं हस्ताक्षरित और सभी दस्तावेज तथा अभिलेख अधिप्रमाणित किये जायेंगे।

(3) कुल-सचिव प्रबंध बोर्ड और विद्या परिषद् का सदस्य-सचिव होगा किन्तु उसे मत देने का अधिकार नहीं होगा।

(4) कुल-सचिव ऐसी अन्य शक्तियों का प्रयोग और ऐसे अन्य कर्तव्यों का पालन करेगा जो परिनियमों द्वारा विहित किये जायें।

19. मुख्य वित्त और लेखा अधिकारी.- (1) प्रेसीडेंट द्वारा मुख्य वित्त और लेखा अधिकारी की नियुक्ति ऐसी रीति से की जायेगी जो परिनियमों द्वारा विहित की जाये।

(2) मुख्य वित्त और लेखा अधिकारी ऐसी शक्तियों का प्रयोग और ऐसे कर्तव्यों का पालन करेगा जो परिनियमों द्वारा विहित किये जायें।

20. अन्य अधिकारी.- (1) विश्वविद्यालय इतने अन्य अधिकारियों की नियुक्ति कर सकेगा जितने उसके कृत्यकरण के लिए आवश्यक हों।

(2) ऐसे अधिकारियों की नियुक्ति की रीति और शक्तियां और कृत्य ऐसे होंगे जो परिनियमों द्वारा विहित किये जायें।

21. विश्वविद्यालय के प्राधिकारी.- विश्वविद्यालय के निम्नलिखित प्राधिकारी होंगे, अर्थात्:-

- (i) प्रबंध बोर्ड;
- (ii) विद्या परिषद्;
- (iii) संकाय; और
- (iv) ऐसे अन्य प्राधिकारी, जिन्हें परिनियमों द्वारा विश्वविद्यालय के प्राधिकारी होना घोषित किया जाये।

22. प्रबंध बोर्ड.-(1) विश्वविद्यालय के प्रबंध बोर्ड में निम्नलिखित होंगे, अर्थात्:-

- (क) चेयरपर्सन;
- (ख) प्रेसीडेन्ट;
- (ग) प्रायोजक निकाय द्वारा नामनिर्देशित पांच व्यक्ति जिनमें दो विख्यात शिक्षाविद् या अनुसूची 2 में विनिर्दिष्ट शाखाओं के विशेषज्ञ होंगे;
- (घ) विश्वविद्यालय के बाहर से प्रबंध या सूचना प्रौद्योगिकी का चेयरपर्सन द्वारा नामनिर्देशित एक विशेषज्ञ;
- (ङ) चेयरपर्सन द्वारा नामनिर्देशित एक वित्त विशेषज्ञ;
- (च) आयुक्त, महाविद्यालय शिक्षा या उसका नामनिर्देशिनी, जो उप सचिव से नीचे की पंक्ति का न हो; और
- (छ) प्रेसीडेन्ट द्वारा नामनिर्देशित दो अध्यापक ।

(2) प्रबंध बोर्ड, विश्वविद्यालय का प्रधान कार्यपालक निकाय होगा। विश्वविद्यालय की समस्त जंगम और स्थावर संपत्ति प्रबंध बोर्ड में निहित होगी। उसकी निम्नलिखित शक्तियां होंगी, अर्थात्:-

- (क) ऐसी सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए जो इस अधिनियम या तदधीन बनाये गये परिनियमों, आर्डिनेंसों, विनियमों या नियमों द्वारा उपबंधित हैं, साधारण अधीक्षण और निदेशन का उपबंध करना और विश्वविद्यालय के कार्यकरण पर नियंत्रण करना;
 - (ख) विश्वविद्यालय के अन्य प्राधिकारियों द्वारा किये गये विनिश्चयों का उस दशा में पुनरीक्षण करना, जब वे इस अधिनियम या तदधीन बनाये गये परिनियमों, आर्डिनेंसों, विनियमों या नियमों के अनुरूप न हों;
 - (ग) विश्वविद्यालय के बजट और वार्षिक रिपोर्ट का अनुमोदन करना;
 - (घ) विश्वविद्यालय द्वारा अनुसरण की जाने वाली नीतियां अधिकथित करना;
 - (ङ) विश्वविद्यालय के स्वैच्छिक परिसमापन के बारे में प्रायोजक निकाय को सिफारिशें करना, यदि ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है जब सभी प्रयासों के बावजूद भी विश्वविद्यालय का सहज कृत्यकरण संभव न हो; और
 - (च) ऐसी अन्य शक्तियां जो परिनियमों द्वारा विहित की जायें।
- (3) प्रबंध बोर्ड की किसी कलेंडर वर्ष में कम से कम तीन बैठकें होंगी।

(4) प्रबंध बोर्ड की बैठकों की गणपूर्ति पांच से होगी।

23. विद्या परिषद्-(1) विद्या परिषद् में प्रेसीडेन्ट और इतने अन्य सदस्य होंगे जितने परिनियमों द्वारा विहित किये जायें।

(2) प्रेसीडेन्ट विद्या परिषद् का अध्यक्ष होगा।

(3) विद्या परिषद् विश्वविद्यालय का प्रधान शैक्षणिक निकाय होगी और इस अधिनियम और तदधीन बनाये गये नियमों, विनियमों,

परिनियमों या आर्डिनैंसों के उपबंधों के अध्यक्षीन रहते हुए, विश्वविद्यालय की शैक्षिक नीतियों में समन्वय रखेगी और उन पर साधारण अधीक्षण का प्रयोग करेगी।

(4) विद्या परिषद् की बैठकों के लिए गणपूर्ति ऐसी होगी जो परिनियमों द्वारा विहित की जाये।

24. अन्य प्राधिकारी.- विश्वविद्यालय के अन्य प्राधिकारियों की संरचना, गठन, शक्तियां और कृत्य ऐसे होंगे जो परिनियमों द्वारा विहित किये जायें।

25. प्राधिकारी की सदस्यता के लिए निरर्हता.- कोई व्यक्ति विश्वविद्यालय के किन्हीं भी प्राधिकारियों का सदस्य होने के लिए निरर्हित होगा, यदि वह -

- (क) विकृत चित्त है और सक्षम न्यायालय द्वारा ऐसा घोषित है;
- (ख) अनुन्मोचित दिवालिया है;
- (ग) नैतिक अधमता से अन्तर्वलित किसी अपराध के लिए सिद्धदोष ठहराया गया है;
- (घ) प्राइवेट कोचिंग कक्षाएं संचालित कर रहा है या उसमें स्वयं लग रहा है; या
- (ङ) किसी परीक्षा का संचालन करने में किसी भी रूप में कहीं पर भी अनुचित आचरण में लिप्त रहने या उसको बढ़ावा देने के लिए दण्डित किया गया है।

26. रिक्तियों से विश्वविद्यालय के किसी प्राधिकारी की कार्यवाहियों का अविधिमान्य न होना.- विश्वविद्यालय के किसी भी प्राधिकारी का कोई कार्य या कार्यवाही उसके गठन में मात्र किसी रिक्ति के या त्रुटि के कारण से अविधिमान्य नहीं होगी।

27. आपात रिक्तियों का भरा जाना.- किसी सदस्य की मृत्यु, त्यागपत्र या उसे हटाये जाने के कारण या जिस हैसियत से उसे नियुक्त या नामनिर्दिष्ट किया गया था उसमें परिवर्तन होने के कारण विश्वविद्यालय के प्राधिकारियों की सदस्यता में हुई कोई भी रिक्तियां यथासंभव शीघ्र ऐसे व्यक्ति या ऐसे निकाय द्वारा भरी जायेंगी जिसने ऐसे सदस्य को नियुक्त या नामनिर्दिष्ट किया था:

परन्तु किसी आपात रिक्ति के आधार पर विश्वविद्यालय के प्राधिकारी के सदस्य के रूप में नियुक्त या नामनिर्दिष्ट व्यक्ति ऐसे सदस्य की, जिसके स्थान पर उसे नियुक्त या नामनिर्दिष्ट किया गया है, केवल शेष अवधि के लिए ऐसे प्राधिकारी का सदस्य रहेगा।

28. समिति.- विश्वविद्यालय के प्राधिकारी या अधिकारी ऐसे निर्देश-निबंधनों सहित इतनी समितियां गठित कर सकेंगे जो ऐसी समितियों द्वारा सम्पादित किये जाने वाले विनिर्दिष्ट कार्यों के लिए आवश्यक हों। ऐसी समितियों का गठन और उनके कर्तव्य ऐसे होंगे जो परिनियमों द्वारा विहित किये जायें।

29. परिनियम.-(1) इस अधिनियम के उपबंधों के अध्यक्षीन रहते हुए, विश्वविद्यालय के परिनियमों में निम्नलिखित सभी या किन्हीं भी मामलों के लिए उपबंध किया जा सकेगा, अर्थात्:-

- (क) विश्वविद्यालय के प्राधिकारियों का गठन, शक्तियां और कृत्य जो समय-समय पर गठित किये जायें;
- (ख) प्रेसीडेन्ट की नियुक्ति के निबंधन और शर्तें और उसकी शक्तियां और कृत्य;
- (ग) कुल-सचिव और मुख्य वित्त और लेखा अधिकारी की नियुक्ति की रीति और निबंधन तथा शर्तें और उनकी शक्तियां और कृत्य;
- (घ) वह रीति जिससे और ऐसी कालावधि जिसके लिए प्रोवोस्ट और कुलानुशासक नियुक्त किये जायेंगे और उनकी शक्तियां और कृत्य;
- (ङ) वह रीति जिससे संकाय का संकायाध्यक्ष नियुक्त किया जायेगा और उसकी शक्तियां और कृत्य;
- (च) अन्य अधिकारियों और अध्यापकों की नियुक्ति की रीति और निबंधन तथा शर्तें और उनकी शक्तियां और कृत्य;
- (छ) विश्वविद्यालय के कर्मचारियों की सेवा के निबंधन तथा शर्तें और उनके कृत्य;
- (ज) अधिकारियों, अध्यापकों, कर्मचारियों और छात्रों के मध्य विवादों के मामले में माध्यस्थम् के लिए प्रक्रिया;
- (झ) मानद उपाधियों का प्रदान किया जाना;

- (ज) छात्रों को अध्यापन फीस के संदाय से छूट देने और उन्हें छात्रवृत्तियां और अध्येतावृत्तियां प्रदान करने के संबंध में उपबंध;
- (ट) स्थानों के आरक्षण के विनियमन सहित, प्रवेश की नीति से संबंधित उपबंध;
- (ठ) छात्रों से प्रभारित की जाने वाली फीस से संबंधित उपबंध;
- (ड) विभिन्न पाठ्यक्रमों में स्थानों की संख्या से संबंधित उपबंध;
- (ढ) विश्वविद्यालय के नये प्राधिकारियों का सृजन;
- (ण) लेखा नीति और वित्तीय प्रक्रिया;
- (त) नये विभागों का सृजन और विद्यमान विभागों का समापन या पुनःसंरचना;
- (थ) पदक और पुरस्कार संस्थित करना;
- (द) पदों के सृजन और पदों की समाप्ति के लिए प्रक्रिया;
- (ध) फीस का पुनरीक्षण;
- (न) विभिन्न पाठ्य विवरणों में स्थानों की संख्या का परिवर्तन; और
- (प) समस्त अन्य मामले जो इस अधिनियम के उपबंधों के अधीन परिनियमों द्वारा विहित किये जाने अपेक्षित हैं या विहित किये जायें।

(2) विश्वविद्यालय के परिनियम प्रबंध बोर्ड द्वारा बनाये जायेंगे और राज्य सरकार को उसके अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किये जायेंगे।

(3) राज्य सरकार विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत किये गये परिनियमों पर विचार करेगी और ऐसे उपान्तरणों, यदि कोई हों, सहित, जो वह आवश्यक समझे, उनकी प्राप्ति की तारीख से दो मास के भीतर-भीतर उनका अनुमोदन करेगी।

(4) विश्वविद्यालय राज्य सरकार द्वारा यथा-अनुमोदित परिनियमों पर अपनी सहमति से संसूचित करेगा और यदि वह उप-धारा (3) के अधीन राज्य सरकार द्वारा किये गये किन्हीं भी या समस्त उपांतरणों को प्रभावी करने का इच्छुक नहीं है तो वह उसके लिए कारण दे सकेगा और ऐसे कारणों पर विचार करने के पश्चात् राज्य सरकार

विश्वविद्यालय द्वारा दिये गये सुझावों को स्वीकार या अस्वीकार कर सकेगी।

(5) राज्य सरकार उसके द्वारा अंतिम रूप से यथा अनुमोदित परिनियमों को राजपत्र में प्रकाशित करेगी और तत्पश्चात् परिनियम ऐसे प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

30. आर्डिनेन्स.-(1) इस अधिनियम या तदधीन बनाये गये परिनियमों के उपबंधों के अध्यधीन रहते हुए, आर्डिनेन्सों में निम्नलिखित समस्त या किन्हीं भी मामलों के संबंध में उपबंध किया जा सकेगा, अर्थात्:-

- (क) विश्वविद्यालय में छात्रों का प्रवेश और इस रूप में उनका नामांकन;
- (ख) विश्वविद्यालय की उपाधियों, डिप्लोमों और प्रमाणपत्रों के लिए अधिकथित किये जाने वाले पाठ्यक्रम;
- (ग) उपाधियां, डिप्लोमे, प्रमाणपत्र और अन्य विद्या संबंधी उपाधियां प्रदान करना, उनके लिए न्यूनतम अर्हताएं और उनके प्रदान किये जाने और अभिप्राप्त किये जाने के संबंध में किये जाने वाले उपाय;
- (घ) अध्येतावृत्तियां, छात्रवृत्तियां, वृत्तिकाएं, पदक और पुरस्कार प्रदान किये जाने की शर्तें;
- (ङ) परीक्षा निकायों, परीक्षकों और अनुसीमकों की पदावधि और नियुक्ति की रीति और कर्तव्यों को सम्मिलित करते हुए परीक्षाओं का संचालन;
- (च) विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों, परीक्षाओं, उपाधियों और डिप्लोमों के लिए प्रभारित की जाने वाली फीस;
- (छ) विश्वविद्यालय के छात्रों के निवास की शर्तें;
- (ज) छात्रों के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई के संबंध में उपबंध;
- (झ) ऐसे किसी अन्य निकाय का सृजन, संरचना और कृत्य जो विश्वविद्यालय के शैक्षिक जीवन में सुधार करने के लिए आवश्यक समझा जाये;
- (ञ) अन्य विश्वविद्यालयों और उच्चतर शिक्षा संस्थानों के साथ सहकार और सहयोग की रीति; और

(ट) समस्त अन्य मामले जो इस अधिनियम या तदधीन बनाये गये परिनियमों द्वारा आर्डिनेन्सों द्वारा उपबंधित किये जाने अपेक्षित हों।

(2) विश्वविद्यालय के आर्डिनेन्स विद्या परिषद् द्वारा बनाये जायेंगे जिन्हें प्रबंध बोर्ड द्वारा अनुमोदित किये जाने के पश्चात्, राज्य सरकार को उसके अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया जायेगा।

(3) उप-धारा (2) के अधीन प्रस्तुत आर्डिनेन्सों पर राज्य सरकार, उनकी प्राप्ति की तारीख से दो मास के भीतर-भीतर विचार करेगी और या तो उन्हें अनुमोदित करेगी या उनमें उपान्तरण के लिए सुझाव देगी।

(4) विद्या परिषद्, या तो राज्य सरकार के सुझावों को सम्मिलित करते हुए आर्डिनेन्सों को उपान्तरित करेगी या राज्य सरकार द्वारा दिये गये किन्हीं भी सुझावों को सम्मिलित न करने के कारण देगी और ऐसे कारण, यदि कोई हों, के साथ आर्डिनेन्स राज्य सरकार को वापस भेजेगी और उनकी प्राप्ति पर राज्य सरकार विद्या परिषद् की टिप्पणियों पर विचार करेगी और विश्वविद्यालय के आर्डिनेन्सों को ऐसे उपान्तरणों सहित या उनके बिना अनुमोदित करेगी।

31. विनियम.- विश्वविद्यालय के प्राधिकारी, प्रबंध बोर्ड के पूर्व अनुमोदन के अध्यक्षीन रहते हुए, अपने स्वयं के और उनके द्वारा नियुक्त समितियों के कारबार के संचालन के लिए, इस अधिनियम और तदधीन बनाये गये नियमों, परिनियमों और आर्डिनेन्सों से संगत विनियम बना सकेंगे।

32. प्रवेश.- (1) विश्वविद्यालय में प्रवेश सर्वथा योग्यता के आधार पर किये जायेंगे।

(2) विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए योग्यता या तो अर्हक परीक्षा में प्राप्त अंकों या ग्रेड और सह-पाठ्यचर्या और पाठ्येतर क्रियाकलापों में उपलब्धियों के आधार पर या राज्य स्तर पर या तो समान पाठ्यक्रम संचालित करने वाले विश्वविद्यालयों के संगम द्वारा या राज्य की किसी एजेन्सी द्वारा संचालित किसी प्रवेश परीक्षा में अभिप्राप्त अंकों या ग्रेड के आधार पर अवधारित की जा सकेगी:

परन्तु व्यावसायिक और तकनीकी पाठ्यक्रमों में प्रवेश केवल प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होगा।

(3) अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, पिछड़े वर्गों, विशेष पिछड़े वर्गों, महिलाओं और विकलांग व्यक्तियों के लिए विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए आरक्षण, राज्य सरकार की नीति के अनुसार होगा।

33. फीस संरचना.- (1) विश्वविद्यालय समय-समय पर अपनी फीस संरचना तैयार करेगा और उसे इस प्रयोजन के लिए गठित समिति के अनुमोदन के लिए भेजेगा।

(2) समिति विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गयी फीस संरचना पर विचार करेगी और यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि प्रस्तावित फीस -

(क) निम्नलिखित के लिए, अर्थात्:-

- (i) विश्वविद्यालय के आवर्ती व्यय की पूर्ति के लिए स्रोत जुटाने के लिए; और
- (ii) विश्वविद्यालय के और विकास के लिए अपेक्षित बचतों के लिए,

पर्याप्त है; और

(ख) अयुक्तियुक्त रूप से अधिक नहीं है,

तो वह फीस संरचना का अनुमोदन कर सकेगी।

(3) उप-धारा (2) के अधीन समिति द्वारा अनुमोदित फीस संरचना तीन वर्ष के लिए प्रवृत्त रहेगी और विश्वविद्यालय ऐसी फीस संरचना के अनुसार फीस प्रभारित करने का हकदार होगा।

(4) विश्वविद्यालय ऐसी फीस से भिन्न, जिसके लिए वह उप-धारा (3) के अधीन हकदार है, किसी भी नाम से कोई फीस प्रभारित नहीं करेगा।

34. परीक्षाएं.- प्रत्येक शैक्षिक सत्र के प्रारम्भ पर और प्रत्येक कलैण्डर वर्ष की 30 अगस्त तक न कि उसके पश्चात् विश्वविद्यालय अपने द्वारा संचालित प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए परीक्षाओं की अनुसूची तैयार और प्रकाशित करेगा और उस अनुसूची का कड़ाई से पालन करेगा।

स्पष्टीकरण.- "परीक्षाओं की अनुसूची" से प्रत्येक प्रश्न पत्र, जो परीक्षा स्कीम का भाग हो, के प्रारम्भ के समय, दिन और तारीख के बारे

में ब्यौरा देने वाली सारणी अभिप्रेत है और जिसमें प्रायोगिक परीक्षाओं का ब्यौरा भी सम्मिलित होगा:

परन्तु किसी भी प्रकार के किसी भी कारण से यदि विश्वविद्यालय इस अनुसूची का पालन करने में असमर्थ रहा हो तो वह यथासंभव एक रिपोर्ट, उसमें प्रकाशित अनुसूची का अनुसरण न करने के कारण सम्मिलित करते हुए राज्य सरकार को प्रस्तुत करेगा। सरकार उस पर ऐसे निदेश जारी करेगी जो वह अनुसूची के अनुपालन के लिए उचित समझे।

35. परिणामों की घोषणा.- (1) विश्वविद्यालय अपने द्वारा संचालित प्रत्येक परीक्षा के परिणामों की घोषणा उस विशिष्ट पाठ्यक्रम की परीक्षा की अंतिम तारीख से तीस दिन के भीतर-भीतर करने का प्रयास करेगा और किसी भी दशा में ऐसे परिणाम ऐसी तारीख से ज्यादा से ज्यादा पैंतालीस दिन के भीतर-भीतर घोषित करेगा:

परन्तु किसी भी प्रकार के किसी भी कारण से यदि विश्वविद्यालय उपर्युक्त पैंतालीस दिन की कालावधि के भीतर-भीतर किसी भी परीक्षा के परिणामों की अंतिम रूप से घोषणा करने में असमर्थ है तो विश्वविद्यालय एक रिपोर्ट, उसमें विलम्ब के कारण सम्मिलित करते हुए राज्य सरकार को प्रस्तुत करेगा। राज्य सरकार उस पर ऐसे निदेश जारी करेगी जो वह उचित समझे।

(2) कोई भी परीक्षा या किसी परीक्षा के परिणाम केवल इस कारण से अविधिमान्य नहीं ठहराये जायेंगे कि विश्वविद्यालय ने धारा 34 या, यथास्थिति, धारा 35 में यथा-नियत समय अनुसूची का पालन नहीं किया है।

36. दीक्षांत समारोह.- विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह प्रत्येक शैक्षिक वर्ष में उपाधियां, डिप्लोमे प्रदान करने या किसी भी अन्य प्रयोजन के लिए परिनियमों द्वारा यथाविहित रीति से आयोजित किया जायेगा।

37. विश्वविद्यालय का प्रत्यायन.- विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय निर्धारण और प्रत्यायन परिषद् (रा.नि.प्र.प.) के मानकों के अनुरूप रा.नि.प्र.प. से प्रत्यायन अभिप्राप्त करेगा और राज्य सरकार और ऐसे अन्य विनियमन निकायों को, जो विश्वविद्यालय द्वारा चलाये गये

पाठ्यक्रमों से संबद्ध हैं, रा.नि.प्र.प. द्वारा विश्वविद्यालय को दिये ग्रेड के बारे में सूचित करेगा। विश्वविद्यालय रा.नि.प्र.प. के मानकों के अनुरूप समय-समय पर ऐसे प्रत्यायन को नवीकृत करवायेगा।

38. विश्वविद्यालय द्वारा विनियमन निकायों के नियमों, विनियमों, मानकों इत्यादि का पालन किया जाना.- इस अधिनियम में अंतर्विष्ट किसी बात के होने पर भी, विश्वविद्यालय विनियमन निकायों के समस्त नियमों, विनियमों, मानकों इत्यादि का अनुपालन करने के लिए आबद्ध होगा और ऐसे निकायों को ऐसी सभी सुविधाएं और सहायता उपलब्ध करवायेगा जिनकी उनके द्वारा उनके कृत्यों का निर्वहन और उनके कर्तव्यों का पालन करने के लिए अपेक्षा की जाये।

39. वार्षिक रिपोर्ट.- (1) विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रबंध बोर्ड द्वारा तैयार की जायेगी जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ विश्वविद्यालय द्वारा अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए उठाये गये कदम सम्मिलित होंगे और उसकी प्रति प्रायोजक निकाय को प्रस्तुत की जायेगी।

(2) उप-धारा (1) के अधीन तैयार की गयी वार्षिक रिपोर्ट की प्रतियां राज्य सरकार को भी प्रस्तुत की जायेंगी।

40. वार्षिक लेखे और संपरीक्षा.- (1) विश्वविद्यालय के तुलनपत्र सहित वार्षिक लेखे प्रबंध बोर्ड के निदेशों के अधीन तैयार किये जायेंगे और वार्षिक लेखे विश्वविद्यालय द्वारा इस प्रयोजन के लिए नियुक्त संपरीक्षकों द्वारा प्रत्येक वर्ष में कम से कम एक बार संपरीक्षित किये जायेंगे।

(2) संपरीक्षा रिपोर्ट सहित वार्षिक लेखों की एक प्रति प्रबंध बोर्ड को प्रस्तुत की जायेगी।

(3) प्रबंध बोर्ड के संप्रेक्षणों सहित वार्षिक लेखे और संपरीक्षा रिपोर्ट की एक प्रति प्रायोजक निकाय को प्रस्तुत की जायेगी।

(4) उप-धारा (1) के अधीन तैयार किये गये वार्षिक लेखे और तुलनपत्र की प्रतियां राज्य सरकार को भी प्रस्तुत की जायेंगी। विश्वविद्यालय के लेखों और संपरीक्षा रिपोर्ट से उद्भूत राज्य सरकार की राय, यदि कोई हो, प्रबंध बोर्ड के समक्ष रखी जायेगी। प्रबंध बोर्ड ऐसे

निदेश जारी करेगा जो वह उचित समझे और अनुपालन के बारे में राज्य सरकार को रिपोर्ट की जायेगी।

41. राज्य सरकार की विश्वविद्यालय का निरीक्षण करने की शक्तियां.-(1) अध्यापन, परीक्षा और अनुसंधान या विश्वविद्यालय से संबंधित किसी भी अन्य विषय से संबंधित स्तर अभिनिश्चित करने के प्रयोजन के लिए राज्य सरकार ऐसी रीति से, जो विहित की जाये, ऐसे व्यक्ति या व्यक्तियों से, जिन्हें वह उचित समझे, निरीक्षण करवा सकेगी।

(2) राज्य सरकार सुधार कार्रवाई के लिए ऐसे निरीक्षण के परिणाम के संबंध में अपनी सिफारिशों से विश्वविद्यालय को संसूचित करेगी। विश्वविद्यालय ऐसे सुधार उपाय अपनायेगा और सिफारिशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के बारे में प्रयास करेगा।

(3) यदि विश्वविद्यालय उप-धारा (2) के अधीन की गयी सिफारिशों का अनुपालन युक्तियुक्त समय के भीतर-भीतर करने में विफल रहा है तो राज्य सरकार ऐसे निदेश दे सकेगी जो वह ऐसे अनुपालन के लिए उचित समझे।

42. राज्य सरकार की सूचना की अपेक्षा करने की शक्तियां.-

(1) राज्य सरकार, विश्वविद्यालय से उसके कार्यकरण, कृत्यों, उपलब्धियों, अध्यापन के स्तर, परीक्षा और अनुसंधान या ऐसे किन्हीं भी अन्य मामलों के संबंध में, जो वह विश्वविद्यालय की दक्षता के निर्णयन के लिए आवश्यक समझे, ऐसे प्ररूप में और ऐसे समय के भीतर, जो नियमों द्वारा विहित किया जाये, सूचना की अपेक्षा कर सकेगी।

(2) विश्वविद्यालय, राज्य सरकार द्वारा उप-धारा (1) के अधीन यथा-अपेक्षित सूचना विहित समय के भीतर भिजवाने के लिए आबद्ध होगा।

43. प्रायोजक निकाय द्वारा विश्वविद्यालय का विघटन.-(1) प्रायोजक निकाय राज्य सरकार और विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और छात्रों को विहित रीति से इस प्रभाव का कम से कम एक वर्ष का अग्रिम रूप से नोटिस देकर विश्वविद्यालय का विघटन कर सकेगा:

परन्तु विश्वविद्यालय का विघटन राज्य सरकार के अनुमोदन और नियमित पाठ्यक्रम वाले छात्रों के अंतिम बैच द्वारा अपना

पाठ्यक्रम पूर्ण किये जाने और उन्हें उपाधियां, डिप्लोमे या, यथास्थिति, पुरस्कार प्रदान किये जाने के पश्चात् ही प्रभावी होगा।

(2) विश्वविद्यालय के विघटन पर विश्वविद्यालय की समस्त आस्तियां और दायित्व प्रायोजक निकाय में निहित हो जायेंगे।

44. कतिपय परिस्थितियों में राज्य सरकार की विशेष शक्तियां.-

(1) यदि राज्य सरकार को यह प्रतीत हो कि विश्वविद्यालय ने इस अधिनियम या तदधीन बनाये गये नियमों, परिनियमों या आर्डिनेन्सों के किन्हीं भी उपबंधों का उल्लंघन किया है या इस अधिनियम के अधीन उसके द्वारा जारी किये गये किन्हीं भी निदेशों का अतिक्रमण किया है या उसके द्वारा राज्य सरकार को दिये गये किन्हीं भी परिवचनों का पालन करना बंद कर दिया है या विश्वविद्यालय में वित्तीय कुप्रबंध या कुप्रशासन की स्थिति उत्पन्न हो गयी है तो वह विश्वविद्यालय को, पैंतालीस दिन के भीतर कारण दर्शित करने की अपेक्षा करते हुए इस बारे में नोटिस जारी करेगी कि उसके परिसमापन का आदेश क्यों नहीं किया जाना चाहिए।

(2) यदि उप-धारा (1) के अधीन जारी किये गये नोटिस पर विश्वविद्यालय का जवाब प्राप्त होने पर राज्य सरकार का यह समाधान हो जाता है कि इस अधिनियम या तदधीन बनाये गये नियमों, परिनियमों, या आर्डिनेन्सों के किन्हीं भी उपबंधों के उल्लंघन का या इस अधिनियम के अधीन उसके द्वारा जारी किये गये निदेश के अतिक्रमण का, या उसके द्वारा दिये गये परिवचनों का पालन बंद करने का या वित्तीय कुप्रबंध या कुप्रशासन का प्रथमदृष्ट्या मामला है तो वह ऐसी जांच का आदेश करेगी जो वह आवश्यक समझे।

(3) राज्य सरकार उप-धारा (2) के अधीन किसी जांच के प्रयोजनों के लिए किन्हीं भी अभिकथनों की जांच करने और उन पर रिपोर्ट करने के लिए किसी जांच अधिकारी या अधिकारियों की नियुक्ति करेगी।

(4) उप-धारा (3) के अधीन नियुक्त जांच अधिकारी या अधिकारियों को वही शक्तियां होंगी जो सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 (1908 का केन्द्रीय अधिनियम सं. 5) के अधीन सिविल न्यायालय में

निम्नलिखित विषयों के संबंध में वाद का विचारण करते समय निहित होती हैं, अर्थात्:-

- (क) किसी व्यक्ति को समन करना और हाजिर कराना और शपथ पर उसकी परीक्षा करना;
- (ख) कोई ऐसा दस्तावेज या कोई अन्य सामग्री जो साक्ष्य में पोषणीय हो, के प्रकटीकरण और उसे पेश किये जाने की अपेक्षा करना; और
- (ग) किसी न्यायालय या कार्यालय से लोक अभिलेख की अपेक्षा करना।

(5) इस अधिनियम के अधीन जांच कर रहे जांच अधिकारी या अधिकारियों को दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का केन्द्रीय अधिनियम सं. 2) की धारा 195 और अध्याय 26 के प्रयोजनों के लिए सिविल न्यायालय समझा जायेगा।

(6) उप-धारा (3) के अधीन नियुक्त अधिकारी या अधिकारियों से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर, यदि राज्य सरकार का यह समाधान हो जाता है कि विश्वविद्यालय ने इस अधिनियम या तदधीन बनाये गये नियमों, परिनियमों या आर्डिनेन्सों के किन्हीं भी उपबंधों का उल्लंघन किया है या इस अधिनियम के अधीन उसके द्वारा जारी किन्हीं भी निदेशों का अतिक्रमण किया है या उसके द्वारा दिये गये परिवचनों का पालन करना बंद कर दिया है या विश्वविद्यालय में वित्तीय कुप्रबंध और कुप्रशासन की स्थिति उत्पन्न हो गयी है जिससे विश्वविद्यालय के शैक्षणिक स्तर को खतरा है तो वह विश्वविद्यालय के परिसमापन के आदेश करेगी और एक प्रशासक नियुक्त करेगी और तत्पश्चात् विश्वविद्यालय के प्राधिकारी और अधिकारी उस प्रशासक के आदेश और निदेश के अधीन होंगे।

(7) उप-धारा (6) के अधीन नियुक्त प्रशासक को इस अधिनियम के अधीन प्रबंध बोर्ड की समस्त शक्तियां होंगी और वह प्रबंध बोर्ड के समस्त कर्तव्यों के अधीन होगा और विश्वविद्यालय के कार्यकलापों का तब तक प्रशासन करेगा जब तक कि नियमित पाठ्यक्रम के छात्रों का अंतिम बैच अपना पाठ्यक्रम पूर्ण न कर ले और उन्हें उपाधियां, डिप्लोमे या, यथास्थिति, पुरस्कार प्रदान न कर दिये जायें।

(8) नियमित पाठ्यक्रम के छात्रों के अंतिम बेंचों को उपाधियां, डिप्लोमे या, यथास्थिति, पुरस्कार प्रदान किये जाने के पश्चात् प्रशासक इस प्रभाव की एक रिपोर्ट राज्य सरकार को करेगा।

(9) उप-धारा (8) के अधीन रिपोर्ट की प्राप्ति पर राज्य सरकार राजपत्र में अधिसूचना द्वारा विश्वविद्यालय को विघटित करने का आदेश जारी करेगी और ऐसी अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से विश्वविद्यालय विघटित हो जायेगा और विश्वविद्यालय की समस्त आस्तियां और दायित्व ऐसी तारीख से प्रायोजक निकाय में निहित हो जायेंगे।

45. नियम बनाने की शक्ति.- (1) राज्य सरकार, इस अधिनियम के प्रयोजनों को कार्यान्वित करने के लिए राजपत्र में अधिसूचना द्वारा नियम बना सकेगी।

(2) इस अधिनियम के अधीन बनाये गये समस्त नियम, उनके इस प्रकार बनाये जाने के पश्चात् यथाशक्य शीघ्र, राज्य विधान-मण्डल के सदन के समक्ष, जब वह सत्र में हो, चौदह दिन से अन्यून की कालावधि के लिए, जो एक सत्र में या दो उत्तरोत्तर सत्रों में समाविष्ट हो सकेगी, रखे जायेंगे और यदि, उस सत्र की, जिसमें वे इस प्रकार रखे गये हैं या ठीक अगले सत्र की समाप्ति के पूर्व राज्य विधान-मण्डल का सदन ऐसे किन्हीं भी नियमों में कोई भी उपान्तरण करता है या यह संकल्प करता है कि ऐसे कोई नियम नहीं बनाये जाने चाहिए तो तत्पश्चात् ऐसे नियम केवल ऐसे उपान्तरित रूप में प्रभावी होंगे या, यथास्थिति, उनका कोई प्रभाव नहीं होगा, तथापि, ऐसा कोई भी उपान्तरण या बातिलकरण उनके अधीन पूर्व में की गयी किसी बात की विधिमान्यता पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालेगा।

46. कठिनाइयों के निराकरण की शक्ति.- (1) यदि इस अधिनियम के उपबंधों को क्रियान्वित करने में कोई कठिनाई उत्पन्न हो तो राज्य सरकार, राजपत्र में प्रकाशित आदेश द्वारा ऐसे उपबंध कर सकेगी जो इस अधिनियम के उपबंधों से असंगत न हों और जो उसे ऐसी कठिनाई का निराकरण करने के लिए आवश्यक या समीचीन प्रतीत हों:

परन्तु इस धारा के अधीन कोई भी आदेश इस अधिनियम के प्रारम्भ की तारीख से दो वर्ष की कालावधि की समाप्ति के पश्चात् नहीं किया जायेगा।

(2) इस धारा के अधीन किया गया प्रत्येक आदेश उसके इस प्रकार किये जाने के पश्चात् यथाशक्य शीघ्र, राज्य विधान-मण्डल के सदन के समक्ष रखा जायेगा।

47. अधिनियम का अध्यारोही प्रभाव होना.- इस अधिनियम और तदधीन बनाये गये नियमों, परिनियमों, आर्डिनेन्सों के उपबंध, उन मामलों के संबंध में जिनके बारे में राज्य विधान-मण्डल को विधि बनाने की अनन्य शक्तियां हैं, तत्समय प्रवृत्त किसी भी अन्य विधि में अन्तर्विष्ट किसी प्रतिकूल बात के होने पर भी प्रभावी होंगे।

48. निरसन और व्यावृत्तियां.- (1) सनराइज विश्वविद्यालय, बगड़ राजपूत (अलवर) अध्यादेश, 2011 (2011 का अध्यादेश सं. 08) इसके द्वारा निरसित किया जाता है।

(2) ऐसे निरसन के होते हुए भी, उक्त अध्यादेश के अधीन की गयी समस्त बातें, कार्रवाइयां या किये गये आदेश इस अधिनियम के अधीन किये गये समझे जायेंगे।

अनुसूची 1

अवसंरचना

1. **भूमि :** ग्राम बगड़ राजपूत, तहसील रामगढ़, जिला अलवर (राजस्थान) के खसरा सं. 811, 812 और 1007 में समाविष्ट 31.73 एकड़ भूमि।

2. **भवन :**

(i) प्रशासनिक खण्ड:

(क) इकाइयों की संख्या और प्रवर्ग: 65

क्र.सं.	इकाइयों का प्रवर्ग	इकाइयों की संख्या
1	चेयरपर्सन का कार्यालय	01
2	प्रेसीडेन्ट का कार्यालय	01
3	प्रो-प्रेसीडेन्ट का कार्यालय	01
4	कुल-सचिव का कार्यालय	01
5	प्रबंध कक्ष	02

6	सम्मेलन कक्ष	02
7	परीक्षा नियंत्रक के कार्यालय	02
8	निदेशक, अध्ययन बोर्ड का कार्यालय	01
9	संकायाध्यक्षों के कार्यालय	05
10	लेखा कार्यालय	02
11	परामर्श अनुभाग	08
12	प्रशासनिक कार्यालय	05
13	संकाय और कर्मचारिवृन्द कक्ष	30
14	प्लेसमेंट विभाग	04
	कुल	65

(ख) कुल आच्छादित क्षेत्र का माप: 3,500 वर्ग मीटर

(ii) **शैक्षणिक खण्ड:**

(क) इकाइयों की संख्या और प्रवर्ग: 87

क्रम सं.	इकाइयों का प्रवर्ग	इकाइयों की संख्या
1	कक्षाएं	25
2	अध्यापन कक्ष	08
3	प्रयोगशालाएं	22
4	पुस्तकालय	04
5	कर्मचारिवृन्द कक्ष	02
6	भण्डार	04
7	संगीत कक्ष	01
8	श्रुत्य-दृश्य कक्ष	01
9	विभागीय पुस्तकालय	06
10	वाचनालय	04
11	कार्यशालाएं	04
12	सेमिनार हाल	04

13	ड्राइंग हाल	02
	कुल	87

(ख) कुल आच्छादित क्षेत्र का माप: 6,000 वर्ग मीटर

(iii) सुख-सुविधाएं : 1,000 वर्ग मीटर

छात्र कामन कक्ष, छात्रा कामन कक्ष, अल्पाहार गृह, अतिथि गृह, खेलकूद क्लब, लेखन सामग्री और रेप्रोग्राफी भण्डार, प्राथमिक चिकित्सा-सह-रोगी कक्ष और शौचालय।

कुल संनिर्मित क्षेत्र : 10,500 वर्ग मीटर

3. संकाय :

आचार्य	-	05
सह आचार्य	-	11
सहायक आचार्य	-	32
सहायक कर्मचारिवृन्द	-	18

4. शैक्षणिक सुविधाएं :

(i) पुस्तकालय :

क्रम सं.	शाखा/पाठ्यक्रम	पुस्तकें	शीर्षक
1	यांत्रिक अभियांत्रिकी	496	103
2	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी	452	110
3	सिविल अभियांत्रिकी	398	102
4	कम्प्यूटर अभियांत्रिकी	430	125
5	वैद्युत् अभियांत्रिकी	340	103
6	व्यापार प्रबंधन स्नातक	370	104
7	कम्प्यूटर अनुप्रयोग स्नातक	437	96
8	व्यापार प्रबंधन स्नातकोत्तर	432	106
9	शिक्षा स्नातक	248	88
10	वाणिज्य स्नातक/कला स्नातक	443	136
11	गणित/भौतिक विज्ञान/रसायन विज्ञान	648	152
12	सामान्य विषय	255	87

	कुल	4,949	1,312
--	------------	--------------	--------------

(ii) प्रयोगशालाएं :

1. भौतिक विज्ञान प्रयोगशाला
2. रसायन विज्ञान प्रयोगशाला
3. कम्प्यूटर प्रयोगशाला
4. यांत्रिक अभियांत्रिकी प्रयोगशाला
5. वैद्युत् अभियांत्रिकी प्रयोगशाला
6. सिविल अभियांत्रिकी प्रयोगशाला
7. भाषा प्रयोगशाला
8. इलेक्ट्रॉनिक्स संचार प्रयोगशाला
9. यांत्रिक कार्यशाला

(iii) वाचनालय : प्रत्येक विभाग के लिए पृथक् वाचनालय उपलब्ध हैं।

(iv) पत्र-पत्रिकाएं :

शाखा	पत्र-पत्रिकाएं
समस्त विषय/शाखाएं	70

(v) अन्य सुविधाएं :

इन्टरनेट के साथ वाई-फाई संबद्धता
संवाद कौशल और व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ
वाद्य यंत्र और अधिगम कक्षाएं
योग और ध्यान कक्षाएं
कक्षाओं में एलसीडी प्रोजेक्टर

5. सह-पाठ्यचर्या क्रियाकलापों के लिए सुविधाएं :**इनडोर खेल सुविधाएं :**

कैरम

शतरंज

व्यायामशाला

टेबल टेनिस

आउटडोर खेल सुविधाएं :

बैडमिंटन

बास्केट बाल
वालीबाल

अनुसूची 2

शाखाएं जिनमें विश्वविद्यालय अध्ययन और अनुसंधान का

जिम्मा लेगा:-

1. अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी
 2. विज्ञान और स्वास्थ्य
 3. प्रबंधन
 4. कम्प्यूटर अनुप्रयोग
 5. विधिक अध्ययन
 6. शिक्षा
 7. वाणिज्य और कला
 8. व्यावसायिक अध्ययन
 9. जन और मीडिया संचार
-

उद्देश्यों और कारणों का कथन

विश्व और देश में ज्ञान के सभी क्षेत्रों में तीव्र विकास के साथ-साथ कदम मिलाने को दृष्टि में रखते हुए युवाओं को उनके निकटतम स्थान पर अधुनातन शैक्षणिक सुविधाओं का उपबंध करने के लिए राज्य में विश्व स्तरीय आधुनिक अनुसंधान और अध्ययन सुविधाओं का सृजन करना आवश्यक है जिससे उन्हें विश्व की उदार आर्थिक और सामाजिक व्यवस्था में मानव संसाधनों से संगत बनाया जा सके।

ज्ञान के क्षेत्र में तीव्र प्रगति और मानव संसाधनों की परिवर्तनशील अपेक्षाओं से यह आवश्यक हो गया है कि शैक्षणिक अनुसंधान और विकास की ऐसी संसाधनपूर्ण और त्वरित और उत्तरदायी प्रणाली सृजित की जाये जो एक आवश्यक विनियामक व्यवस्था के अधीन उद्यमितापूर्ण उत्साह से कार्य कर सके और ऐसी प्रणाली, उच्चतर शिक्षा में कार्यरत पर्याप्त संसाधन और अनुभव रखने वाली प्राइवेट संस्थाओं को विश्वविद्यालयों की स्थापना करने के लिए अनुज्ञात करने से और ऐसे विश्वविद्यालयों को ऐसे विनियामक उपबंधों से, जो ऐसी संस्थाओं के कुशल कार्यकरण को सुनिश्चित करें, निगमित करने से सृजित की जा सकती है।

सनराइज इन्टीग्रेटेड एजुकेशनल ट्रस्ट, अलवर, जो राजस्थान लोक न्यास अधिनियम, 1959 (1959 का अधिनियम सं. 42) के अधीन सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर खण्ड, जयपुर के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण सं. 4 अलवर 2006, दिनांक 29.08.2006 के द्वारा रजिस्ट्रीकृत एक लोक न्यास है।

उक्त सनराइज इन्टीग्रेटेड एजुकेशनल ट्रस्ट, अलवर ने राजस्थान राज्य में ग्राम बगड़ राजपूत, तहसील रामगढ़, जिला अलवर में अनुसूची 1 में यथा विनिर्दिष्ट भौतिक और शैक्षणिक दोनों प्रकार की शैक्षिक अवसंरचनाएं स्थापित कर ली थीं और अनुसूची 2 में विनिर्दिष्ट शाखाओं में अनुसंधान और अध्ययन के लिए एक विश्वविद्यालय में उक्त अवसंरचना का विनिधान करने के लिए सहमत हो गया था और इस अध्यादेश के उपबंधों के अनुसार विन्यास निधि की स्थापना में

उपयोजित किये जाने के लिए एक करोड़ रुपये की रकम भी जमा करा दी थी।

उपर्युक्त अवसंरचना की पर्याप्तता की जांच राज्य सरकार द्वारा इस निमित्त नियुक्त समिति द्वारा कर ली गयी थी जिसके सदस्य कुलपति, महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर, संयुक्त निदेशक, महाविद्यालय शिक्षा, राजस्थान, जयपुर, निदेशक, पोद्दार प्रबंधन संस्थान, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर और प्राचार्य, महिला अभियांत्रिकी महाविद्यालय, अजमेर थे।

राज्य सरकार की यह राय थी कि यदि उपर्युक्त अवसंरचना का उपयोजन विश्वविद्यालय के रूप में निगमन में किया जाता है और उक्त सनराइज इन्टीग्रेटेड एजुकेशनल ट्रस्ट, अलवर को विश्वविद्यालय चलाने के लिए अनुज्ञात किया जाता है तो इससे राज्य की जनता के शैक्षणिक विकास में योगदान होगा।

चूंकि राजस्थान विधान सभा सत्र में नहीं थी और ऐसी परिस्थितियां विद्यमान थीं जिनके कारण राजस्थान के राज्यपाल के लिए तुरन्त कार्रवाई करना आवश्यक हो गया था, इसलिए उन्होंने 18 जुलाई, 2011 को सनराइज विश्वविद्यालय, बगड़ राजपूत (अलवर) अध्यादेश, 2011 (2011 का अध्यादेश सं. 08) प्रख्यापित किया जो राजस्थान राजपत्र, असाधारण, भाग 4 (ख) में दिनांक 18 जुलाई, 2011 को प्रकाशित हुआ।

यह विधेयक पूर्वोक्त अध्यादेश को प्रतिस्थापित करने के लिए ईप्सित है।

अतः विधेयक प्रस्तुत है।

डॉ. जितेन्द्र सिंह,
प्रभारी मंत्री।

प्रत्यायोजित विधान संबंधी जापन

विधेयक का खण्ड 29, यदि अधिनियमित किया जाता है तो, विश्वविद्यालय को राज्य सरकार के अनुमोदन से इसमें प्रगणित मामलों के संबंध में परिनियम बनाने के लिए सशक्त करेगा।

विधेयक का खण्ड 30, यदि अधिनियमित किया जाता है तो, विश्वविद्यालय को राज्य सरकार के अनुमोदन से इसमें प्रगणित मामलों के संबंध में आर्डिनेन्स बनाने के लिए सशक्त करेगा।

विधेयक का खण्ड 31, यदि अधिनियमित किया जाता है तो, विश्वविद्यालय के प्राधिकारियों को प्रबंध बोर्ड के पूर्व अनुमोदन से, उनके अपने कारबार के संचालन के लिए विनियम बनाने के लिए सशक्त करेगा।

विधेयक का खण्ड 41, यदि अधिनियमित किया जाता है तो, राज्य सरकार को, ऐसी रीति जिससे विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया जा सकेगा, के संबंध में नियम बनाने के लिए सशक्त करेगा।

विधेयक का खण्ड 42, यदि अधिनियमित किया जाता है तो, राज्य सरकार को, ऐसी रीति के संबंध में जिससे विश्वविद्यालय से विश्वविद्यालय के संबंध में सूचना मंगवायी जा सकेगी, नियम बनाने के लिए सशक्त करेगा।

प्रस्तावित प्रत्यायोजन सामान्य प्रकृति का है और मुख्यतः ब्यौरे के विषयों से संबंधित है।

डॉ. जितेन्द्र सिंह,
प्रभारी मंत्री।

(Authorised English Translation)

Bill No. 22 of 2011

THE SUNRISE UNIVERSITY, BAGAD RAJPUT

(ALWAR) BILL, 2011

(To be Introduced in the Rajasthan Legislative Assembly)

A

Bill

to provide for establishment and incorporation of the Sunrise University, Bagad Rajput (Alwar) in the State of Rajasthan and matters connected therewith and incidental thereto.

Whereas, with a view to keep pace with the rapid development in all spheres of knowledge in the world and the country, it is essential to create world level modern research and study facilities in the State to provide state of the art educational facilities to the youth at their door steps so that they can make out of them human resources compatible to liberalized economic and social order of the world;

And whereas, rapid advancement in knowledge and changing requirements of human resources makes it essential that a resourceful and quick and responsive system of educational research and development be created which can work with entrepreneurial zeal under an essential regulatory set up and such a system can be created by allowing the private institutions engaged in higher education having sufficient resources and experience to establish universities and by incorporating such universities with such regulatory provisions as ensure efficient working of such institutions;

And whereas, the Sunrise Integrated Educational Trust, Alwar is a Public Trust registered under the Rajasthan Public Trusts Act, 1959 (Act No. 42 of 1959) in the office of Assistant Commissioner, Devsthan Department, Jaipur Division, Jaipur, vide Registration No. 4 Alwar 2006 dated 29.8.2006.

And whereas, the said Sunrise Integrated Educational Trust, Alwar has set up educational infrastructures, both physical

and academic, as specified in Schedule I, at Village Bagad Rajput, Tehsil Ramgarh, District Alwar in the State of Rajasthan and has agreed to invest the said infrastructure in a University for research and studies in the disciplines specified in Schedule II and has also deposited an amount of rupees one crore to be utilized in establishment of an endowment fund in accordance with the provisions of this Act;

And whereas, the sufficiency of the above infrastructure has been got enquired into by a committee, appointed in this behalf by the State Government consisting of the Vice-chancellor, Maharishi Dayanand Saraswati University, Ajmer, Joint Director, College Education Rajasthan, Jaipur, Director, Poddar Institute of Management, University of Rajasthan, Jaipur and Principal, Mahila Engineering College, Ajmer;

And whereas, if the aforesaid infrastructure is utilized in incorporation as a University and the said Sunrise Integrated Educational Trust, Alwar is allowed to run the University, it would contribute in the academic development of the people of the State;

Now, therefore, be it enacted by the Rajasthan State Legislature in the Sixty-second Year of the Republic of India, as follows:-

1. Short title, extent and commencement.- (1) This Act may be called the Sunrise University, Bagad Rajput (Alwar) Act, 2011.

(2) It extends to the whole of the State of Rajasthan.

(3) It shall be deemed to have come into force on and from 18th July, 2011.

2. Definitions.- In this Act, unless the context otherwise requires,-

(a) "AICTE" means All India Council of Technical Education established under All India Council of Technical Education Act, 1987 (Central Act No. 52 of 1987);

(b) "CSIR" means the Council of Scientific and Industrial Research, New Delhi- a funding agency of the Central Government;

- (c) "DEC" means the Distance Education Council established under section 28 of Indira Gandhi National Open University Act, 1985 (Central Act No. 50 of 1985);
- (d) "Distance education" means education imparted by combination of any two or more means of communication, viz. broadcasting, telecasting, correspondence courses, seminars, contact programmes and any other such methodology;
- (e) "DST" means the Department of Science and Technology of the Central Government;
- (f) "employee" means a person appointed by the University to work in the University and includes teachers, officers and other employees of the University;
- (g) "fee" means collection made by the University from the students by whatever name it may be called, which is not refundable;
- (h) "Government" means the State Government of Rajasthan;
- (i) "higher education" means study of a curriculum or course for the pursuit of knowledge beyond 10+2 level;
- (j) "hostel" means a place of residence for the students of the University, or its colleges, institutions or centers, maintained or recognized to be as such by the University;
- (k) "ICAR" means the Indian Council of Agriculture Research, a society registered under the Societies Registration Act, 1860 (Central Act No. 21 of 1860);
- (l) "MCI" means Medical Council of India constituted under section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (Central Act No. 102 of 1956);

- (m) "NAAC" means the National Assessment and Accreditation Council, Bangalore, an autonomous institution of the UGC;
- (n) "NCTE" means the National Council of Teacher Education constituted under section 3 of the National Council of Teacher Education Act, 1993 (Central Act No. 73 of 1993);
- (o) "off campus centre" means a centre of the University established by it outside the main campus operated and maintained as its constituent unit, having the University's complement of facilities, faculty and staff;
- (p) "PCI" means Pharmacy Council of India constituted under section 3 of the Pharmacy Act, 1948 (Central Act No. 8 of 1948);
- (q) "prescribed" means prescribed by Statutes made under this Act;
- (r) "regulating body" means a body established or constituted by or under any law for the time being in force laying down norms and conditions for ensuring academic standards of higher education, such as UGC, AICTE, NCTE, MCI, PCI, NAAC, ICAR, DEC, CSIR etc. and includes the State Government;
- (s) "rules" means the rules made under this Act;
- (t) "Schedule" means the Schedule to this Act;
- (u) "Sponsoring Body" means the Sunrise Integrated Educational Trust, Alwar, a Public Trust registered under the Rajasthan Public Trusts Act, 1959 (Act No. 42 of 1959) in the office of Assistant Commissioner, Devsthan Department, Jaipur Division, Jaipur, vide Registration No. 4 Alwar 2006 dated 29.8.2006;
- (v) "Statutes", "Ordinances" and "Regulations" mean respectively, the Statutes, Ordinances and Regulations of the University made under this Act;

- (w) "student of the University" means a person enrolled in the University for taking a course of study for a degree, diploma or other academic distinction duly instituted by the University, including a research degree;
- (x) "study centre" means a centre established and maintained or recognized by the University for the purpose of advising, counselling or for rendering any other assistance required by the students in the context of distance education;
- (y) "teacher" means a Professor, Associate Professor, Assistant Professor or any other person required to impart education or to guide research or to render guidance in any other form to the students for pursuing a course of study of the University;
- (z) "UGC" means the University Grants Commission, established under section 4 of the University Grants Commission Act, 1956 (Central Act No. 3 of 1956); and
- (za) "University" means the Sunrise University, Bagad Rajput, (Alwar).

3. Incorporation.- (1) The first Chairperson and the first President of the University and the first members of the Board of Management and the Academic Council and all persons who may hereafter become such officers or members, so long as they continue to hold such office or membership, are hereby constituted a body corporate by the name of the Sunrise University, Bagad Rajput, (Alwar).

(2) The movable and immovable property specified in the Schedule I shall be vested in the University and the Sponsoring Body shall, immediately after the commencement of this Act, take steps for such vesting.

(3) The University shall have perpetual succession and a common seal and shall sue and be sued by the said name.

(4) The University shall situate and have its headquarters at Village Bagad Rajput, Tehsil Ramgarh, District Alwar (Rajasthan).

4. The objects of the University.- The objects of the University shall be to undertake research and studies in the disciplines specified in Schedule II and such other disciplines as the University may with the prior approval of the State Government, determine from time to time and to achieve excellence and impart and disseminate knowledge in the said disciplines.

5. Powers and functions of the University.- The University shall have the following powers and functions, namely:-

- (a) to provide for instruction in the disciplines specified in Schedule II and to make provisions for research and for the advancement and dissemination of knowledge;
- (b) to grant, subject to such conditions as the University may determine, diplomas or certificates, and confer degrees or other academic distinctions on the basis of examinations, evaluation or any other method of testing on persons, and to withdraw any such diplomas, certificates, degrees or other academic distinctions for good and sufficient cause;
- (c) to organize and to undertake extra-mural studies and extension service;
- (d) to confer honorary degrees or other distinctions in the manner prescribed;
- (e) to provide instruction, including correspondence and such other courses, as it may determine;
- (f) to institute Professorships, Associate Professorships, Assistant Professorships and other teaching or academic posts required by the University and to make appointment thereto;
- (g) to create administrative, ministerial and other posts and to make appointments thereto;

- (h) to appoint persons working in any other university or organization having specific knowledge permanently or for a specified period;
- (i) to co-operate, collaborate or associate with any other university or authority or institution in such manner and for such purpose as the University may determine;
- (j) to establish study centers and maintain schools, institutions and such centers, specialized laboratories or other units for research and instructions as are in the opinion of the University, necessary for the furtherance of its object;
- (k) to institute and award fellowships, scholarships, studentships, medals and prizes;
- (l) to establish and maintain hostels for students of the University;
- (m) to make provisions for research and consultancy, and for that purpose to enter into such arrangements with other institutions or bodies as the University may deem necessary;
- (n) to determine standards for admission into the University, which may include examination, evaluation or any other method of testing;
- (o) to demand and receive payment of fees and other charges;
- (p) to supervise the residences of the students of the University and to make arrangements for the promotion of their health and general welfare;
- (q) to make special arrangements in respect of women students as the University may consider desirable;
- (r) to regulate and enforce discipline among the employees and students of the University and take such disciplinary measures in this regard as may be deemed necessary by the University;

- (s) to make arrangements for promoting the health and general welfare of the employees of the University;
- (t) to receive donations and acquire, hold, manage and dispose of any movable or immovable property;
- (u) to borrow money with the approval of the Sponsoring Body for the purposes of the University;
- (v) to mortgage or hypothecate the property of the University with the approval of the Sponsoring Body;
- (w) to establish examination centers;
- (x) to ensure that the standard of degrees, diplomas, certificates and other academic distinctions are not lower than those laid down by AICTE, NCTE, UGC, MCI, PCI and other similar bodies established by or under any law for the time being in force for the regulation of education;
- (y) to set up off campus centre within or without the State, subject to the provisions of any other law for the time being in force; and
- (z) to do all such other acts and things as may be necessary, incidental or conducive to the attainment of all or any of the objects of the University.

6. University to be self-financed.- The University shall be self-financed and shall not be entitled to receive any grant or other financial assistance from the State Government.

7. No power of affiliation.- The University shall have no power to affiliate or otherwise admit to its privileges any other institution.

8. Endowment Fund.- (1) There shall be established an Endowment Fund, as soon as may be after coming into force of this Act with an amount of rupees one crore which has been deposited by the Sponsoring Body with the State Government.

(2) The Endowment Fund shall be used as security deposit to ensure that the University complies with the provisions of this Act and functions as per provisions of this Act, Statutes and Ordinances. The State Government shall have the powers to forfeit

in the prescribed manner, a part or whole of the Endowment Fund in case the University or the Sponsoring Body contravenes any of the provisions of this Act or Statutes, Ordinances, Regulations or rules made thereunder.

(3) Income from the Endowment Fund may be utilized for development of infrastructure of the University but shall not be utilized to meet out the recurring expenditure of the University.

(4) The amount of the Endowment Fund shall be invested and kept invested until the dissolution of the University in long term securities issued or guaranteed by the State Government or deposited and kept deposited until the dissolution of the University in the interest bearing Personal Deposit Account of the Sponsoring Body in the Government Treasury.

(5) In case of investment in long term security, the certificates of the securities shall be kept in the safe custody of the State Government and in case of deposit in the interest bearing Personal Deposit Account in Government Treasury, the deposit shall be made with the condition that the amount shall not be withdrawn without the permission of the State Government.

9. General Fund.- The University shall establish a fund, which shall be called the General Fund to which following shall be credited, namely:-

- (a) fees and other charges received by the University;
- (b) any contributions made by the Sponsoring Body;
- (c) any income received from consultancy and other work undertaken by the University in pursuance of its objectives;
- (d) trusts, bequests, donations, endowments and any other grants; and
- (e) all other sums received by the University.

10. Application of General Fund.- The General Fund shall be utilized for meeting all expenses, recurring or non-recurring in connection with the affairs of the University:

Provided that no expenditure shall be incurred by the University in excess of the limits for total recurring expenditure

and total non-recurring expenditure for the year, as may be fixed by the Board of Management, without the prior approval of the Board of Management.

11. Officers of the University.-The following shall be the officers of the University, namely:-

- (i) the Chairperson;
- (ii) the President;
- (iii) the Pro-President;
- (iv) the Provost;
- (v) the Proctor;
- (vi) the Deans of Faculties;
- (vii) the Registrar;
- (viii) the Chief Finance and Accounts Officer; and
- (ix) such other officers as may be declared by the Statutes to be the officers of the University.

12. The Chairperson.- (1) The Chairperson shall be appointed by the Sponsoring Body with the consent of the State Government for a period of five years from the date on which he enters upon his office and shall not be eligible for re-appointment:

Provided that a Chairperson shall notwithstanding the expiration of his term continue to hold office until his successor enters upon the office.

(2) Any vacancy in the office of Chairperson shall be filled within six months from the date of such vacancy.

(3) The Chairperson shall, by virtue of his office, be the head of the University.

(4) The Chairperson shall, if present, preside at the meetings of the Board of Management and at the convocation of the University for conferring degrees, diplomas or other academic distinctions.

(5) The Chairperson shall have the following powers, namely:-

- (a) to call for any information or record in connection with the affairs of the University;

- (b) to appoint the President;
- (c) to remove the President in accordance with the provisions of sub-section (8) of section 13; and
- (d) such other powers as may be prescribed by the Statutes.

13. The President.- (1) The President shall be appointed by the Chairperson from a panel of three persons recommended by the Board of Management and shall, subject to the provisions contained in sub-section (8), hold office for a term of three years:

Provided that, after expiry of the term of three years, a person shall be eligible for re-appointment for another term of three years:

Provided further that a President shall notwithstanding the expiration of his term continue to hold office until his successor enters upon the office.

(2) Any vacancy in the office of President shall be filled within six months from the date of such vacancy.

(3) The President shall be the principal executive and academic officer of the University and shall exercise general superintendence and control over the affairs of the University and shall execute the decisions of the authorities of the University.

(4) The President shall preside at the convocation of the University in the absence of the Chairperson.

(5) If in the opinion of the President it is necessary to take immediate action on any matter for which powers are conferred on any other authority by or under this Act, he may take such action as he deems necessary and shall at the earliest opportunity thereafter report his action to such officer or authority as would have in the ordinary course dealt with the matter:

Provided that if in the opinion of the concerned officer or authority such action should not have been taken by the President then such case shall be referred to the Chairperson, whose decision thereon shall be final:

Provided further that where any such action taken by the President affects any person in the service of the University, such person shall be entitled to prefer, within three months from the date on which such action is communicated to him, an appeal to the Board of Management and the Board of Management may confirm or modify or reverse the action taken by the President.

(6) If, in the opinion of the President, any decision of any authority of the University is outside the powers conferred by this Act or Statutes, Ordinances, Regulations or rules made thereunder or is likely to be prejudicial to the interests of the University, he shall direct the concerned authority to revise its decision within fifteen days from the date of its decision and in case the authority refuses or fails to revise such decision, then such matter shall be referred to the Chairperson and his decision thereon shall be final.

(7) The President shall exercise such other powers and perform such other duties as may be prescribed by the Statutes or the Ordinances.

(8) If the Chairperson is satisfied, on an enquiry made or caused to be made on a representation made to him or otherwise, that the continuance of President in his office is prejudicial to the interests of the University or the situation so warrants, he may, by an order in writing and stating the reasons therein for doing so, ask the President to relinquish his office from such date as may be specified in the order:

Provided that before taking an action under this subsection, the President shall be given an opportunity of being heard.

14. The Pro-President.- (1) The Pro-President shall be appointed by the Chairperson in consultation with the President.

(2) The Pro-President shall hold office for a period of three years and shall be eligible for re-appointment for a second term.

(3) The conditions of service of the Pro-President shall be such as may be prescribed by the Statutes.

(4) If the Chairperson is satisfied, on an enquiry made or caused to be made on a representation made to him or otherwise, that the continuance of the Pro-President in his office is prejudicial

to the interests of the University or the situation so warrants, he may, by an order in writing and stating the reasons therein for doing so, ask the Pro-President to relinquish his office from such date as may be specified in the order:

Provided that before taking an action under this subsection, the Pro- President shall be given an opportunity of being heard.

(5) The Pro-President shall assist the President in such matters as are assigned to him by the President from time to time and shall exercise such powers and perform such functions as may be delegated to him by the President.

15. The Provost.- (1) The Provost shall be appointed by the President for such period and in such manner as may be prescribed by the Statutes.

(2) The Provost shall ensure discipline in the University and shall keep the various unions of the teachers and employees advised of the various policies and practices in the University.

(3) The Provost shall exercise such other powers and perform such other duties as may be prescribed by the Statutes.

16. The Proctor.- (1) The Proctor shall be appointed by the President for such period and in such manner as may be prescribed by the Statutes.

(2) The Proctor shall be responsible for the maintenance of discipline among the students and keep the various students' unions advised of the various policies and practices in the University.

(3) The Proctor shall exercise such other powers and perform such other duties as may be prescribed by the Statutes.

17. The Dean of Faculty.- (1) There shall be a Dean of each Faculty who shall be appointed by the President for a period of three years in such manner as may be prescribed by the Statutes.

(2) The Dean shall convene meetings of the faculty, as and when required, in consultation with the President and shall preside over the same. He shall formulate the policies and development programme of the faculty and present the same to the appropriate authorities for their consideration.

(3) The Dean of Faculty shall exercise such other powers and perform such other duties as may be prescribed by the Statutes.

18. The Registrar.- (1) The Registrar shall be appointed by the Chairperson, in such manner as may be prescribed by the Statutes.

(2) All contracts shall be signed and all documents and records shall be authenticated by the Registrar on behalf of the University.

(3) The Registrar shall be the Member-Secretary of the Board of Management and Academic Council but he shall not have a right to vote.

(4) The Registrar shall exercise such other powers and perform such other duties as may be prescribed by the Statutes.

19. The Chief Finance and Accounts Officer.- (1) The Chief Finance and Accounts Officer shall be appointed by the President in such manner as may be prescribed by the Statutes.

(2) The Chief Finance and Accounts Officer shall exercise such powers and perform such duties as may be prescribed by the Statutes.

20. Other officers.- (1) The University may appoint such other officers as may be necessary for its functioning.

(2) The manner of appointment and powers and functions of such officers shall be such as may be prescribed by the Statutes.

21. Authorities of the University.-The following shall be the authorities of the University, namely:-

- (i) the Board of Management;
- (ii) the Academic Council;
- (iii) the Faculties; and
- (iv) such other authorities as may be declared by the Statutes to be the authorities of the University.

22. The Board of Management.- (1) The Board of Management of the University shall consist of the following, namely:-

- (a) the Chairperson;
- (b) the President;

- (c) five persons nominated by the Sponsoring Body out of whom two shall be eminent educationists or specialists in disciplines specified in Schedule II;
- (d) one expert of management or information technology from outside the University, nominated by the Chairperson;
- (e) one expert of finance, nominated by the Chairperson;
- (f) Commissioner, College Education or his nominee not below the rank of Deputy Secretary; and
- (g) two teachers, nominated by the President.

(2) The Board of Management shall be the principal executive body of the University. All the movable and immovable property of the University shall vest in the Board of Management. It shall have the following powers, namely:-

- (a) to provide general superintendence and directions and to control the functioning of the University by using all such powers as are provided by this Act or the Statutes, Ordinances, Regulations or rules made thereunder;
- (b) to review the decisions of other authorities of the University in case they are not in conformity with the provisions of this Act or the Statutes, Ordinances, Regulations or rules made thereunder;
- (c) to approve the budget and annual report of the University;
- (d) to lay down the policies to be followed by the University;
- (e) to recommend to the Sponsoring Body about the voluntary liquidation of the University, if a situation arises when smooth functioning of the University does not remain possible, in spite of all efforts; and
- (f) such other powers as may be prescribed by the Statutes.

(3) The Board of Management shall meet at least three times in a calendar year.

(4) The quorum for meetings of the Board of Management shall be five.

23. The Academic Council.- (1) The Academic Council shall consist of the President and such other members as may be prescribed by the Statutes.

(2) The President shall be the Chairperson of the Academic Council.

(3) The Academic Council shall be the principal academic body of the University and shall, subject to the provisions of this Act and the rules, Regulations, Statutes or Ordinances, made thereunder, co-ordinate and exercise general supervision over the academic policies of the University.

(4) The quorum for meetings of the Academic Council shall be such as may be prescribed by the Statutes.

24. Other authorities.- The composition, constitution, powers and functions of other authorities of the University shall be such as may be prescribed by the Statutes.

25. Disqualification for membership of an authority.- A person shall be disqualified for being a member of any of the authorities of the University, if he-

- (a) is of unsound mind and stands so declared by a competent court;
- (b) is an undischarged insolvent;
- (c) has been convicted of any offence involving moral turpitude;
- (d) is conducting or engaging himself in private coaching classes; or
- (e) has been punished for indulging in or promoting unfair practice in the conduct of any examination, in any form, anywhere.

26. Vacancies not to invalidate the proceedings of any authority of the University.- No act or proceeding of any

authority of the University shall be invalid merely by reason of any vacancy or defect in the constitution thereof.

27. Filling up of emergent vacancies.- Any vacancies occurred in the membership of authorities of the University due to death, resignation or removal of a member or due to change of capacity in which he was appointed or nominated, shall be filled up as early as possible by the person or the body who had appointed or nominated such a member:

Provided that the person appointed or nominated as a member of an authority of the University on an emergent vacancy, shall remain member of such authority for only the remaining period of the member, in whose place he is appointed or nominated.

28. Committee.- The authorities or officers of the University may constitute such committees with such terms of reference as may be necessary for specific tasks to be performed by such committees. The constitution of such committees and their duties shall be such as may be prescribed by the Statutes.

29. The Statutes.- (1) Subject to the provisions of this Act, the Statutes of the University may provide for all or any of the following matters, namely:-

- (a) the constitution, powers and functions of the authorities of the University as may be constituted from time to time;
- (b) the terms and conditions of appointment of the President and his powers and functions;
- (c) the manner and terms and conditions of appointment of the Registrar and Chief Finance and Accounts Officer and their powers and functions;
- (d) the manner in which and the period for which the Provost and the Proctor shall be appointed and their powers and functions;
- (e) the manner in which the Dean of Faculty shall be appointed and his powers and functions;

- (f) the manner and terms and conditions of appointment of other officers and teachers and their powers and functions;
- (g) the terms and conditions of service of employees of the University and their functions;
- (h) the procedure for arbitration in case of disputes between officers, teachers, employees and students;
- (i) the conferment of honorary degrees;
- (j) the provisions regarding exemption of students from payment of tuition fee and for awarding to them scholarships and fellowships;
- (k) provisions regarding the policy of admissions, including regulation of reservation of seats;
- (l) provisions regarding fees to be charged from students;
- (m) provisions regarding number of seats in different courses;
- (n) creation of new authorities of the University;
- (o) accounting policy and financial procedure;
- (p) creation of new departments and abolition or restructuring of existing departments;
- (q) institution of medals and prizes;
- (r) creation of posts and procedure for abolition of posts;
- (s) revision of fees;
- (t) alteration of the number of seats in different syllabi;
and
- (u) all other matters which under the provisions of this Act are required to be, or may be, prescribed by the Statutes.

(2) The Statutes of the University shall be made by the Board of Management and shall be submitted to the State Government for its approval.

(3) The State Government shall consider the Statutes, submitted by the University and shall give its approval thereon within two months from the date of its receipt with such modifications, if any, as it may deem necessary.

(4) The University shall communicate its agreement to the Statutes as approved by the State Government, and if it desires not to give effect to any or all of the modifications made by the State Government under sub-section (3), it may give reasons therefor and after considering such reason, the State Government may or may not accept the suggestions made by the University.

(5) The State Government shall publish the Statutes, as finally approved by it, in the Official Gazette, and thereafter, the Statutes shall come into force from the date of such publication.

30. The Ordinances.- (1) Subject to the provisions of this Act or Statutes made thereunder, the Ordinances may provide for all or any of the following matters, namely:-

- (a) the admission of students to the University and their enrolment as such;
- (b) the courses of study to be laid down for the degrees, diplomas and certificates of the University;
- (c) the award of the degrees, diplomas, certificates and other academic distinctions, the minimum qualifications for the same and the measures to be taken relating to the granting and obtaining of the same;
- (d) the conditions for award of fellowships, scholarships, stipends, medals and prizes;
- (e) the conduct of examinations, including the terms of office and manner of appointment and the duties of examining bodies, examiners and moderators;
- (f) fees to be charged for the courses, examinations, degrees and diplomas of the University;
- (g) the conditions of residence of the students of the University;
- (h) provision regarding disciplinary action against the students;
- (i) the creation, composition and functions of any other body which is considered necessary for improving the academic life of the University;

- (j) the manner of co-operation and collaboration with other Universities and institutions of higher education; and
- (k) all other matters which by this Act or Statutes made thereunder are required to be provided by the Ordinances.

(2) The Ordinances of the University shall be made by the Academic Council which after being approved by the Board of Management, shall be submitted to the State Government for its approval.

(3) The State Government shall consider the Ordinances submitted under sub-section (2) within two months from the date of their receipt and shall either approve them or give suggestions for modifications therein.

(4) The Academic Council shall either modify the Ordinances incorporating the suggestion of the State Government or give reasons for not incorporating any of the suggestions made by the State Government and shall return the Ordinances alongwith such reasons, if any, to the State Government and on receipt of the same, the State Government shall consider the comments of the Academic Council and shall approve the Ordinances of the University with or without such modifications.

31. Regulations.- The authorities of the University may, subject to the prior approval of the Board of Management, make regulations, consistent with this Act and the rules, Statutes and the Ordinances made thereunder, for the conduct of their own business and that of the committees appointed by them.

32. Admissions.- (1) Admission in the University shall be made strictly on the basis of merit.

(2) Merit for admission in the University may be determined either on the basis of marks or grade obtained in the qualifying examination and achievements in co-curricular and extra-curricular activities or on the basis of marks or grade obtained in the entrance test conducted at the State level either by an association of the universities conducting similar courses or by any agency of the State:

Provided that admission in professional and technical courses shall be made only through entrance test.

(3) Reservation in admission to the University for scheduled castes, scheduled tribes, backward classes, special backward classes, women and handicapped persons shall be provided as per the policy of the State Government.

33. Fee structure.- (1) The University may, from time to time, prepare its fees structure and sent it for approval of the committee constituted for the purpose.

(2) The committee shall consider the fees structure prepared by the University and if it is satisfied that the proposed fees is-

(a) sufficient for :-

- (i) generating resources for meeting the recurring expenditure of the University; and
- (ii) the savings required for the further development of the University; and

(b) not unreasonably excessive,

it may approve the fees structure.

(3) The fees structure approved by the committee under sub-section (2) shall remain in force for three years and the University shall be entitled to charge fees in accordance with such fees structure.

(4) The University shall not charge any fees, by whatever name called, other than that for which it is entitled under sub-section (3).

34. Examinations.- At the beginning of each academic session and in any case not later than 30th of August of every calendar year, the University shall prepare and publish a schedule of examinations for each and every course conducted by it and shall strictly adhere to the schedule.

Explanation.- "Schedule of Examination" means a table giving details about the time, day and date of the commencement of each paper which is a part of a scheme of examinations and shall also include the details about the practical examinations:

Provided that if, for any reason whatsoever, the University has been unable to follow this schedule, it shall, as soon as practicable, submit a report to the State Government incorporating the reasons for making a departure from the published schedule. The Government may, thereon, issue such directions as it may deem fit for the compliance of the schedule.

35. Declaration of results.- (1) The University shall strive to declare the results of every examination conducted by it within thirty days from the last date of the examination for that particular course and shall in any case declare the results latest within forty-five days from such date:

Provided that if, for any reason whatsoever, the University is unable to finally declare the results of any examination within the aforesaid period of forty-five days, it shall submit a report incorporating the reasons for such delay to the State Government. The State Government may, thereon, issue such directions as it may deem fit.

(2) No examination or the results of an examination shall be held invalid only for the reasons that the University has not followed the time schedule as stipulated in section 34 or, as the case may be, in section 35.

36. Convocation.- The convocation of the University shall be held in every academic year in the manner as may be prescribed by the Statutes for conferring degrees, diplomas or for any other purpose.

37. Accreditation of the University.- The University shall obtain accreditation from the NAAC, as per the norms of the NAAC and inform the State Government and such other regulating bodies which are connected with the courses taken up by the University about the grade provided by the NAAC to the University. The University shall get renewed such accreditation from time to time as per the norms of the NAAC.

38. University to follow rules, regulations, norms, etc. of the regulating bodies.- Notwithstanding anything contained in

this Act, the University shall be bound to comply with all the rules, regulations, norms, etc. of the regulating bodies and provide all such facilities and assistance to such bodies as are required by them to discharge their duties and carry out their functions.

39. Annual report.- (1) The annual report of the University shall be prepared by the Board of Management which shall include among other matters, the steps taken by the University towards the fulfilment of its objects and copy of the same shall be submitted to the Sponsoring Body.

(2) Copies of the annual report prepared under sub-section (1) shall also be presented to the State Government.

40. Annual accounts and audit.- (1) The annual accounts including balance sheet of the University shall be prepared under the directions of the Board of Management and the annual accounts shall be audited at least once in every year by the auditors appointed by the University for this purpose.

(2) A copy of the annual accounts together with the audit report shall be submitted to the Board of Management.

(3) A copy of the annual accounts and audit report alongwith the observations of the Board of Management shall be submitted to the Sponsoring Body.

(4) Copies of annual accounts and balance sheet prepared under sub-section (1) shall also be presented to the State Government. The advice of the State Government, if any, arising out of the accounts and audit report of the University shall be placed before the Board of Management. The Board of Management shall issue such directions, as it may deem fit and compliance shall be reported to the State Government.

41. Powers of the State Government to inspect the University.- (1) For the purpose of ascertaining the standards of teaching, examination and research or any other matter relating to the University, the State Government may cause an inspection, to be made in such manner as may be prescribed, by such person or persons as it may deem fit.

(2) The State Government shall communicate to the University its recommendations in regard to the result of such inspection for corrective action. The University shall adopt such corrective measures and make efforts so as to ensure the compliance of the recommendations.

(3) If the University has failed to comply with the recommendations made under sub-section (2) within a reasonable time, the State Government may give such directions as it may deem fit for such compliance.

42. Powers of the State Government to call for information.- (1) The State Government may call for information from the University relating to its working, functions, achievements, standard of teaching, examination and research or any other matters as it may consider necessary to judge the efficiency of the University in such form and within such time as may be prescribed by rules.

(2) The University shall be bound to furnish the information as required by the State Government under sub-section (1) within the prescribed time.

43. Dissolution of the University by the Sponsoring Body.- (1) The Sponsoring Body may dissolve the University by giving a notice to the effect in the prescribed manner to the State Government and the employees and the students of University at least one year in advance:

Provided that dissolution of the University shall have effect only after the approval of the State Government and the last batches of students of the regular courses have completed their courses and they have been awarded degrees, diplomas or awards, as the case may be.

(2) On the dissolution of the University all the assets and liabilities of the University shall vest in the Sponsoring Body.

44. Special powers of the State Government in certain circumstances.- (1) If it appears to the State Government that the University has contravened any of the provisions of this Act or the

rules, Statutes or Ordinances made thereunder or has violated any of the directions issued by it under this Act or has ceased to carry out any undertakings given by it to the State Government or a situation of financial mismanagement or mal-administration has arisen in the University, it shall issue notice requiring the University to show cause within forty-five days as to why an order of its liquidation should not be made.

(2) If the State Government, on receipt of reply of the University on the notice issued under sub-section (1), is satisfied that there is a *prima facie* case of contravening any of the provisions of this Act or the rules, Statutes or Ordinances made thereunder or of violating directions issued by it under this Act or of ceasing to carry out the undertakings given by it or of financial mismanagement or mal-administration, it shall make an order of such enquiry as it may consider necessary.

(3) The State Government shall, for the purposes of any enquiry under sub-section (2), appoint an inquiry officer or officers to inquire into any of the allegations and to make report thereon.

(4) The inquiry officer or officers appointed under sub-section (3) shall have the same powers as are vested in a civil court under the Code of Civil Procedure, 1908 (Central Act No. 5 of 1908) while trying a suit in respect of the following matters, namely:-

- (a) summoning and enforcing the attendance of any person and examining him on oath;
- (b) requiring the discovery and production of any such document or any other material as may be predicable in evidence; and
- (c) requisitioning any public record from any court or office.

(5) The inquiry officer or officers inquiring under this Act shall be deemed to be a civil court for the purposes of section 195 and Chapter 26 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Central Act No. 2 of 1974).

(6) On receipt of the enquiry report from the officer or officers appointed under sub-section (3), if the State Government is satisfied that the University has contravened any of the provisions of this Act or the rules, Statutes or Ordinances made thereunder or has violated any of the directions issued by it under this Act or has ceased to carry out the undertakings given by it or a situation of financial mismanagement and mal-administration has arisen in the University which threatens the academic standard of the University, it shall make orders for liquidation of the University and appoint an administrator and thereupon the authorities and officers of the University shall be subject to the order and direction of the administrator.

(7) The administrator appointed under sub-section (6) shall have all the powers and be subject to all the duties of the Board of Management under this Act and shall administer the affairs of the University until the last batch of the students of the regular courses have completed their courses and they have been awarded degrees, diplomas or awards, as the case may be.

(8) After having been awarded the degrees, diplomas or awards, as the case may be, to the last batches of the students of the regular courses, the administrator shall make a report to the effect to the State Government.

(9) On receipt of the report under sub-section (8), the State Government shall, by a notification in the Official Gazette, issue an order dissolving the University and from the date of publication of such notification the University shall stand dissolved and all the assets and liabilities of the University shall vest in the Sponsoring Body from such date.

45. Power to make rules.- (1) The State Government may, by notification in the Official Gazette, make rules to carry out the purposes of this Act.

(2) All rules made under this Act shall be laid, as soon as may be, after they are so made, before the House of the State Legislature, while it is in session, for a period of not less than

fourteen days which may be comprised in one session or in two successive sessions and if before the expiry of the session in which they are so laid or of the session immediately following, the House of the State Legislature makes any modification in any such rules or resolves that any such rules should not be made, such rules shall thereafter have effect only in such modified form or be of no effect, as the case may be, so however, that any such modification or annulment shall be without prejudice to the validity of anything previously done thereunder.

46. Power to remove difficulties.- (1) If any difficulty arises in giving effect to the provisions of this Act, the State Government may, by order published in the Official Gazette, make provisions, not inconsistent with the provisions of this Act, as appear to it to be necessary or expedient for removing the difficulty:

Provided that no order under this section shall be made after the expiry of a period of two years from the date of commencement of this Act.

(2) Every order made under this section shall, as soon as may be after it is made, shall be laid before the House of the State Legislature.

47. The Act to have overriding effect.- The provisions of this Act and the rules, Statutes, Ordinances made thereunder shall have effect notwithstanding anything to the contrary contained in any other law, for the time being in force, relating to the matters in respect of which the State Legislature has exclusive power to make laws.

48. Repeal and savings.- (1) The Sunrise University, Bagad Rajput (Alwar) Ordinance, 2011 (Ordinance No. 08 of 2011) is hereby repealed.

(2) Notwithstanding such repeal, all things done, actions taken or orders made under the said Ordinance shall be deemed to have been done, taken or made under this Act.

SCHEDULE – I**Infrastructure**

1. **Land** : 31.73 Acres of land comprising in Khasra Nos. 811, 812 and 1007 at Village Bagad Rajput, Tehsil Ramgarh, District Alwar (Rajasthan).

2. **Building** :

(i) Administrative Block :

(a) Number and Category of Units : 65

S.No.	Category of Units	No. of Units
1	Chairperson's Office	01
2	President's Office	01
3	Pro-President's Office	01
4	Registrar's Office	01
5	Management Rooms	02
6	Conference Rooms	02
7	Offices of the Controller, Examination	02
8	Office of the Director, Board of Studies	01
9	Dean's Offices	05
10	Accounts Offices	02
11	Counselling Sections	08
12	Administrative Offices	05
13	Faculty and Staff Rooms	30
14	Placement Departments	04
	Total	65

(b) Measurement of total covered area : 3,500 Sq.Mtrs.

(ii) Academic Block :

(a) Number and Category of Units : 87

S.No.	Category of Units	No. of Units
1	Class Rooms	25
2	Tutorial Rooms	08
3	Laboratories	22
4	Libraries	04
5	Staff Rooms	02

6	Stores	04
7	Music Room	01
8	Audio Visual Room	01
9	Departmental Libraries	06
10	Reading Rooms	04
11	Workshops	04
12	Seminar Halls	04
13	Drawing Halls	02
	Total	87

(b) Measurement of total covered area : 6,000 Sq.Mtrs.

(iii) **Amenities** : 1,000 Sq.Mtrs.

Boys Common Room, Girls Common Room, Cafeteria, Guest House, Sports Club, Stationery and Reprography Store, First Aid cum Sick Room and Toilets.

Total built up area : 10,500 Sq.Mtrs.

3. Faculties :

Professors	-	05
Associate Professors	-	11
Assistant Professors	-	32
Supporting Staff	-	18

4. Academic Facilities :

(i) Library :

S.No.	Branch / Course	Books	Titles
1	Mechanical Engineering	496	103
2	Electronics and Communication Engineering	452	110
3	Civil Engineering	398	102
4	Computer Engineering	430	125
5	Electrical Engineering	340	103
6	BBA	370	104
7	BCA	437	96
8	MBA	432	106
9	B.Ed	248	88
10	B.Com / B.A.	443	136

11	Mathematics/Physics/ Chemistry	648	152
12	General Subjects	255	87
	Total	4,949	1,312

(ii) Laboratories :

1. Physics Laboratory
2. Chemistry Laboratory
3. Computer Laboratory
4. Mechanical Engineering Laboratory
5. Electrical Engineering Laboratory
6. Civil Engineering Laboratory
7. Language Laboratory
8. Electronics Communication Laboratory
9. Mechanical Workshop

(iii) Reading Room : Separate Reading Rooms are available for each Department

(iv) Journals :

Branch	Journals
All Disciplines / Branches	70 Nos.

(v) Other facilities :

Wi-fi connectivity with internet
 Communication Skill and Personality
 Development Cell
 Musical instruments and learning classes
 Yoga and Meditation classes
 LCD Projectors in Class Rooms

5. Facilities for co-curricular activities :**Indoor Games Facilities**

Carrom
 Chess
 Gymnasium
 Table Tennis

Outdoor Games Facilities

Badminton
 Basket Ball
 Volley Ball

SCHEDULE - II

Disciplines in which University shall undertake study and research.

1. Engineering and Technology
 2. Science and Health
 3. Management
 4. Computer Applications
 5. Legal Studies
 6. Education
 7. Commerce and Arts
 8. Vocational Studies
 9. Mass and Media Communication
-

STATEMENT OF OBJECTS AND REASONS

With a view to keep pace with the rapid development in all spheres of knowledge in the world and the Country, it is essential to create world level modern research and study facilities in the State to provide state of the art educational facilities to the youth at their door steps so that they could make out of them human resources compatible to liberalized economic and social order of the world.

Rapid advancement in knowledge and changing requirements of human resources makes it essential that a resourceful and quick and responsive system of educational research and development be created which could work with entrepreneurial zeal under an essential regulatory setup and such a system could be created by allowing the private institutions engaged in higher education having sufficient resources and experience to establish universities and by incorporating such universities with such regulatory provisions as ensure efficient working of such institutions.

The Sunrise Integrated Educational Trust, Alwar is a Public Trust registered under the Rajasthan Public Trusts Act, 1959 (Act No. 42 of 1959) in the office of Assistant Commissioner, Devsthan Department, Jaipur Division, Jaipur, vide Registration No. 4 Alwar 2006 dated 29-8-2006.

The said Sunrise Integrated Educational Trust, Alwar had set up educational infrastructures, both physical and academic, as specified in Schedule I, at Village Bagad Rajput, Tehsil Ramgarh, District Alwar in the State of Rajasthan and had agreed to invest the said infrastructure in a University for research and studies in the disciplines specified in Schedule II and had also deposited an amount of rupees one crore to be utilized in establishment of an endowment fund in accordance with the provisions of this Ordinance.

The sufficiency of the above infrastructure had been got enquired into by a committee, appointed in this behalf by the State Government consisting of the Vice-chancellor, Maharishi Dayanand Saraswati University, Ajmer, Joint Director, College Education Rajasthan, Jaipur, Director, Poddar Institute of Management, University of Rajasthan, Jaipur and Principal, Mahila Engineering College, Ajmer.

The State Government was of the view that if the aforesaid infrastructure is utilized in incorporation as a University and the said Sunrise Integrated Educational Trust, Alwar is allowed to run the University, it would contribute in the academic development of the people of the State.

Since the Rajasthan Legislative Assembly was not in session and circumstances existed which rendered it necessary for the Governor of Rajasthan to take immediate action, he, therefore, promulgated the Sunrise University, Bagad Rajput (Alwar) Ordinance, 2011 (Ordinance No. 08 of 2011), on 18th July, 2011, which was published in Rajasthan Gazette, Part IV (B), Extraordinary, dated 18th July, 2011.

This Bill seeks to replace the aforesaid Ordinance.

Hence the Bill.

डॉ. जितेन्द्र सिंह,
Minister Incharge.

**MEMORANDUM REGARDING DELEGATED
LEGISLATION**

Clause 29 of the Bill, if enacted, shall empower the University to make, with the approval of the State Government, Statutes with regard to matters enumerated therein.

Clause 30 of the Bill, if enacted, shall empower the University to make, with the approval of the State Government, Ordinances with regard to matters enumerated therein.

Clause 31 of the Bill, if enacted, shall empower the authorities of the University to make, with the prior approval of the Board of Management, regulations for conduct of their own business.

Clause 41 of the Bill, if enacted, shall empower the State Government to make rules, with respect to the manner in which inspection of the University may be made.

Clause 42 of the Bill, if enacted, shall empower the State Government to make rules with respect to the manner in which the information relating to the University may be called from the University.

The proposed delegation is of normal character and relates to the matters of details.

**डॉ. जितेन्द्र सिंह,
Minister Incharge.**

2011 का विधेयक सं. 22

सनराइज विश्वविद्यालय, बगड़ राजपूत (अलवर) विधेयक, 2011

(जैसाकि राजस्थान विधान सभा में पुरःस्थापित किया जायेगा)

राजस्थान विधान सभा

राजस्थान राज्य में सनराइज विश्वविद्यालय, बगड़ राजपूत (अलवर) की स्थापना और निगमन के लिए और उससे संसक्त और आनुषंगिक विषयों के लिए उपबंध करने के लिए विधेयक।

(जैसाकि राजस्थान विधान सभा में पुरःस्थापित किया जायेगा)

सीताराम सोनवाल,
उप सचिव।

(डॉ. जितेन्द्र सिंह, प्रभारी मंत्री)

**THE SUNRISE UNIVERSITY, BAGAD RAJPUT (ALWAR)
BILL, 2011**

(To be introduced in the Rajasthan Legislative Assembly)

RAJASTHAN LEGISLATIVE ASSEMBLY

A

Bill

to provide for establishment and incorporation of the Sunrise University, Bagad Rajput (Alwar) in the State of Rajasthan and matters connected therewith and incidental thereto.

(To be introduced in the Rajasthan Legislative Assembly)

SITARAM SONWAL,
Deputy Secretary.

(Dr. JITENDRA SINGH, **Minister-Incharge**)

**GOVERNMENT OF RAJASTHAN
EDUCATION (Gr.4) DEPARTMENT**

No. F3(13)EDU-4/2013

Jaipur, dated.....

NOTIFICATION

In exercise of powers conferred by sub-section (2) and (3) of section 29 of the Sunrise University, Bagad Rajput (Alwar) Act, 2011 (Act No. 25 of 2011), the Government of Rajasthan hereby approves the following Statutes of the Sunrise University, Bagad Rajput (Alwar) and publish the finally approved Statutes as required by sub-section (5) of section 29 of the said Act, namely:-

STATUTES OF THE

SUNRISE UNIVERSITY, BAGAD RAJPUT (ALWAR)

In exercise of powers conferred by sub-section (1) and (2) of the section 29 of the Sunrise University, Bagad Rajput (Alwar) Act, 2011 (Act No. 25 of 2011), the Board of Management of the Sunrise University, Bagad Rajput, (Alwar), hereby makes the following Statutes, namely:-

CHAPTER – 1

Preliminary

1.1 Short title and commencement:

- 1.1.1 These Statutes may be called Statutes of the Sunrise University, Bagad Rajput (Alwar), 2014.
- 1.1.2 They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette by the State Government.

1.2 Definitions:

1.2.1 In these Statutes, unless the context otherwise requires,-

- (a) “Act” means the Sunrise University, Bagad Rajput (Alwar) Act, 2011 (Act No. 25 of 2011); and
- (b) “Authorities of the University” means authorities specified in section 21 of the Act and includes authorities declared by these Statutes.

CHAPTER – 2

Constitution, Powers and Functions of the Authorities of the University

2.1 AUTHORITIES OF THE UNIVERSITY:

2.1.1 Board of Management :

- (1) The tenure of membership of members in each category referred to in clause (c), (d), (e) and (g) of sub-section (1) of section 22 of the Act shall be for three years from the date of nomination. However, the persons so nominated shall be eligible for re-nomination for further terms.
- (2) Powers and Functions of Board of Management : In addition to the powers and functions specified in section 22 of the Act, the Board of Management shall have the following powers and functions, namely :-
 - (i) to hold, control, and administer the property, assets and funds of the University;
 - (ii) to accept, on behalf of the University, donations, bequests, or gift of movable and/or immovable property;
 - (iii) to manage and invest moneys belonging to, or kept in trust with the University;
 - (iv) to authorize opening, operation and closure of accounts with banks (nationalised / private) and other financial institutions and signing of any financial documents and contracts on behalf of the University;
 - (v) to draw, accept, make, endorse, discount and negotiate securities of the Government, promissory notes, bills of exchange, cheques or other negotiable instruments;
 - (vi) to purchase, take on lease or accept, as gift or otherwise, any land or buildings or works which may be necessary or convenient for the purpose of the University and on such terms and conditions as it may deem fit and proper and to construct or alter and maintain any such buildings or works;
 - (vii) with the prior approval of the Sponsoring Body, to raise and borrow money on bonds, mortgages, promissory notes or other obligations or securities by providing properties and assets of the University as security, or borrow money without any securities, and upon such terms and conditions as it may think fit, and to pay out of the funds of the University, all expenses, incidental to the raising of money and to repay and redeem any money borrowed;

- (viii) with the prior approval of the Sponsoring Body, to execute conveyance, transfer, re-conveyances, mortgages, leases, bonds, licenses and agreements in respect of property, movable or immovable belonging to the University or to be acquired for the purposes of the University;
- (ix) to prepare fee structure for various Programmes of Study or for other academic activities for the approval of the committee constituted for the purpose as specified under section 33 of the Act, from time to time, and make regulations thereof;
- (x) to ensure standards of excellence in teaching, examinations and research and take all necessary measures thereof, in consultation with the Academic Council;
- (xi) to acquire intellectual property rights, copyrights, trademarks on such terms and conditions as the Board of Management may determine and pay such compensation for the acquisition as may be just and equitable;
- (xii) to enter into collaboration agreements with other universities, including foreign universities, and/or educational institutions to augment the activities of the University, including programmes of exchange of students and teachers, sharing of credits, and holding of joint workshops and programmes of joint research, facilitation of access to each other's facilities and to institute double/triple/ jointly-organized academic degrees under such agreements as per the standards recognized by the regulatory bodies in India;
- (xiii) to determine the various categories of the teaching staff, and other support staff of the University as well as their terms and conditions of service; unless otherwise provided in the Act to make/ authorize / approve all appointments of officers, teaching staff and other support staff of the University;
- (xiv) to appoint Emeritus Professors, Professors of Eminence, and such other distinguished categories of Professors, Senior Fellows, Special Fellows, Adjunct Professors, Visiting Professors and Visiting Instructors and lay down criteria and terms and conditions of service, in consultation with the Chairperson;
- (xv) to establish norms relating to consultancy undertaken by or within the University in any field of expertise of its teaching faculty;
- (xvi) to establish and administer, centers of the University or programmes of study of the University, both inside and outside the State of Rajasthan, subject to relevant laws and with the approval of regulating body, if required;
- (xvii) to establish and administer distance education programmes in the State of Rajasthan as per the law time being in force and with the approval of regulating body, if required;

- (xviii) to institute fellowships, scholarships, studentship, medals and prizes on the recommendations of the Academic Council;
- (xix) to determine the form of Common Seal of the University and make provisions for safe custody and use thereof;
- (xx) to constitute standing / special committees consisting of one or more members of the Board of Management, or persons outside the University, and to mandate such bodies to perform functions in respect of matters within the powers and functions of the Board of Management;
- (xxi) to take all measures necessary and convenient to enable the University to exercise its powers and perform its functions, pursuant to section 5 of the Act and in furtherance of the objects of the University as embodied in the Preamble to the Act, as the Board of Management may deem appropriate;
- (xxii) to enter into, comply with, vary, enforce or cancel contracts;
- (xxiii) to take/authorize whatever measures necessary to protect and defend the interest of the University in any legal or other proceedings;
- (xxiv) to enter and adjudicate upon any grievance of the employees and students of the University and to set up Committees for attending to such grievances;
- (xxv) to establish and regulate the maintenance of the hostels for the students of the University and recognize private hostels on the recommendation of a committee established for the purpose; and
- (xxvi) The Board of Management may, by a resolution, delegate its powers as it may deem fit, to the President, Registrar, or a Committee, subject to their decisions being reported at the next meeting of the Board of Management.

2.1.2 Academic Council :

- (1) The Academic Council shall consist of the following, namely :-
 - (i) President as Chairman;
 - (ii) Pro-President;
 - (iii) Dean of the each faculty;
 - (iv) Director of Institute / Schools;
 - (v) Head of each Department;
 - (vi) Such number of external experts / University teachers as may be nominated by the President with the consent of Chairperson; and
 - (vii) Controller of Examination as Ex-Officio member without right to vote.

- (2) All nominated members shall hold their membership for a period for which they are nominated.
- (3) The Registrar shall be the Member-Secretary to the Academic Council and shall attend its meetings without right to vote.
- (4) One fourth of the total members of the Academic Council shall constitute a quorum. In case the quorum is not complete, the meeting shall be adjourned for half an hour. The meeting shall be reconvened after half an hour at the same venue. Neither a quorum nor a notice shall be necessary in the case of such a meeting.
- (5) The Academic Council shall meet at least two times in each year. The Academic Council may adopt its own rules of procedure for scheduling and conduct of its meetings.
- (6) Committee:
 - (i) The Academic Council may constitute one or more standing or special committees to assist it in performance of its functions.
 - (ii) The Academic Council may, on the recommendation of the President, constitute an inter-seasonal Standing Committee for Academic Affairs, comprising the President, Pro-President and a nominee of the Chairperson and the said Committee shall assist the President on all matters within the scope of powers and functions of the Academic Council.
 - (iii) All decisions/actions taken by the President on the basis of recommendations of the Standing Committee for Academic Affairs shall be placed before the next meeting of the Academic Council for its ratification.
- (7) Powers and functions of the Academic Council : In addition to the powers and functions, as specified in section 23 of the Act, the Academic Council shall have the following powers and functions, namely:-
 - (i) to exercise general supervision over the academic policies of the University and to give directions regarding methods of instructions, co-operative teaching among faculties, evaluation of research or improvements in academic standards;
 - (ii) to approve the syllabus of programmes of studies as recommended by Board of Studies, periodic review of syllabi, teaching methods, training faculty and assessment of performance of students and library resources;
 - (iii) to bring about inter-Faculty and inter school co-ordination, to establish or appoint committees or boards, for taking up projects on an inter-Faculty basis;
 - (iv) to consider matters of general academic interest either at its own initiative or referred to by a Faculty, or the Board of Management and to take appropriate action thereon;

- (v) to review the working of the Faculties as and when necessary;
- (vi) to formulate, modify or revise courses / schemes for the organization of, and assignment of subjects to Faculties and to report to the Board of Management as to the expediency of the abolition, reconstitution or division of any Faculty or the amalgamation of one or more Faculties;
- (vii) to make recommendations to the Board of Management for the establishment/expansion of an/or alteration to various Schools, Departments, Centres, Institutes of higher learning, specialized laboratories, libraries and museums, within the campus of the university;
- (viii) to formulate, revise, or redefine the academic fields of study or subjects, allocated to a School/Institute/Faculty/Centre, a Department or any unit of an academic programme;
- (ix) to recommend to the Board of Management the new draft Ordinances or Regulations for various academic programmes of the University. However, for various academic programmes Academic Council will be the final authority;
- (x) to recognize diplomas and degrees (semester wise and year wise, as applicable) of other Universities and institutions and to determine their equivalence with the diplomas and degrees (semester wise and/or year wise, as approved by BoM) of the Sunrise University, Bagad Rajput, Alwar and to collaborate with other approved Universities/institutions anywhere in India;
- (xi) to approve conferment of degrees, honors and diplomas on the basis of the result declared;
- (xii) to make arrangements for conducting the examinations, including their various venues and schedules and to maintain proper standards of examinations;
- (xiii) to recommend the Chairperson through the President, the list of examiners for each programme of study, and where appropriate, a list of external examiners;
- (xiv) to constitute such Advisory Councils/ Committees of students' Affairs consisting of such number of teachers and students as may be prescribed by the Ordinances;
- (xv) to perform in relation to academic matters, all such functions and to do all such acts as may be necessary for the proper carrying out of the provisions of the Act, the Statutes and Ordinances;
- (xvi) to consider and take decisions on the recommendations of the Committee for Advance Studies and Research constituted under Statute 2.1.6;
- (xvii) to make recommendations to the Board of Management, on creation, abolition of teaching posts, their reallocation or re-designation through Chairperson;

- (xviii) to make proposals for institution of fellowships, scholarships, free ships and other fee exemptions, medals and other awards;
- (xix) to promote and support research within and outside the University, and to require periodic reports thereon;
- (xx) to promote publications by the teachers and others including publication of Journals and other publications by and in the name of the University;
- (xxi) to submit an annual report of its activities to the Chairperson; and
- (xxii) to frame such regulations and rules consistent with the Statutes and Ordinances regarding the academic functioning of the University, disciplines, residences, admissions, Fee courses and Attendance and any other requirement of University in this regard.

2.1.3 **Faculties :**

(1) Each Faculty shall consist of followings, namely:-

- (i) Dean of concerned Faculty as Chairman;
- (ii) Director of Institute/School;
- (iii) Head of each department; and
- (iv) One or more teachers from the faculty nominated by the President.

(2) **Meetings:**

- (i) The meeting of the Faculties shall be held twice a year. One in the beginning of the academic session (August/September) and another towards the end of academic session (March/April). The proposal for meeting along with agenda shall be sent by the Dean of the Faculty to the Registrar of the University at least 14 days before the proposed date of the meeting. Registrar shall issue notice of the meeting to all the members of the Faculty.
- (ii) Special meeting shall be called by the Registrar at the direction of the President or the dean of the Faculty concerned.
- (iii) One-third of the total members of the Faculty shall constitute a quorum. In case the quorum is not complete, the meeting shall be adjourned for half an hour. The meeting shall be reconvened after half an hour at the same venue. Neither a quorum nor a notice shall be necessary in the case of such a meeting.

- (3) **Powers and Functions of Faculties:** The Faculties shall have the following powers and functions, namely:-
- (i) to coordinate teaching discipline and research activities of Departments assigned to the Faculty and to promote and provide for interdisciplinary teaching and research; and to arrange for examination and periodical tests in subject falling within purview of the Faculty;
 - (ii) to appoint Committees or to undertake research projects common to more than one department;
 - (iii) to forward recommendations of Board of Studies to Academic Council / Committee for Advance Studies and Research;
 - (iv) to perform such other functions as the Academic Council may prescribe; and
 - (v) in addition to the provisions made by the Statute, the Faculties shall recommend to the Academic Council, the schemes for improvements in academic standards.

2.1.4 **Board of Studies:**

- (1) Each Board of Studies shall consist of the followings, namely:-
 - (i) Head of the Department as Chairman;
 - (ii) Teachers of the Department;
 - (iii) Director of Institute / School; and
 - (iv) Two teachers from other departments nominated by the President in consultation with Chairperson.
- (2) The Board of Studies shall have the following powers and functions, namely:-
 - (i) allocation of teaching work to faculty members of the department;
 - (ii) to recommend books, including text books, supplementary reading, reference books and other study material for such courses of study;
 - (iii) to recommend to the Academic Council for its approval the preparation and publication of selections or writing work of authors and other matters as well as material consequent to curriculum development by the teachers of the University for its introduction in the syllabi of the courses of study under the purview of the Department / Committee/Boards in accordance with the Regulations made by the Academic Council in that respect.;
 - (iv) to discuss and if necessary suggest changes in the syllabi;

- (v) to recommend to the Board of Examinations / Academic Council to consider the names of suitable person for inclusion in the panels for appointment as paper-setters, examiners and moderators at the University examinations in the subject;
 - (vi) proposal of research by the faculty members;
 - (vii) to recommend the Committee for Advance Studies and Research, names of persons suitable for appointment as examiners for evaluation of thesis, dissertations and conduct viva-voce examinations, wherever prescribed, for awarding post graduate, doctorate and higher degrees;
 - (viii) to recommend organization of orientation and refresher courses in the subject; and
 - (ix) perform all other functions as may be assigned by the Academic Council.
- (3) Procedure for Conduct of Business at the meeting of the Board of Studies:
- (i) The meeting of the Board of Studies shall be convened by its Chairman or in his absence by the senior most member of the Department. The Registrar shall send the notice of the meeting and the agenda to the members and he shall also keep a record of the proceedings of the meetings;
 - (ii) Unless specifically permitted by the President, not more than four meetings of the Board of Studies shall be held during one academic year. However, the Chairman shall convene a meeting of the Board of Studies on the written requisition signed by a half of the total number of members of the Board of Studies with prior permission of the President;
 - (iii) One-third of the total members of the Board of Studies shall constitute a quorum. In case the quorum is not complete, the meeting shall be adjourned for half an hour. The meeting shall be reconvened after half an hour at the same venue. Neither a quorum nor a notice shall be necessary in the case of such a meeting;
 - (iv) The Registrar, on the advice of the Chairman of Board of Studies, shall issue a notice of the meeting at least ten clear days prior to the date of meeting to all the members of the Board of Studies informing them the day, date, time and venue of the meeting;
 - (v) The Registrar shall send at least five clear days prior to the date of meeting, the agenda of the meeting to the members;
 - (vi) Any two or more Board of Studies, at the direction of the Academic Council or the Board of Management, shall meet and render a joint report upon any matter which lies within the purview of all of them. The quorum of a joint meeting of the Boards shall be as specified in clause (iii) above. The joint meeting shall elect its own Chairman;

- (vii) All questions at a meeting of the Board of Studies shall be decided by a simple majority of votes of the members present. The Chairman shall also have a vote, and in the case of an equality of votes, have a casting vote;
- (viii) Any member not attending three consecutive meetings, without prior permission, shall cease to be a member. The President shall fill the vacancy, so caused, before the next meeting; and
- (ix) The minutes of proceedings of every meeting shall be prepared and signed by the Chairman, and shall be placed before the Board of Studies at its next meeting for confirmation.

2.1.5 Finance Committee :

- (1) The Finance Committee shall consist of the following members, namely;
 - (i) President as Chairman;
 - (ii) Pro-President;
 - (iii) Registrar;
 - (iv) Chief Finance and Accounts Officer;
 - (v) One person nominated by the Sponsoring body; and
 - (vi) One person nominated by the Chairperson.
- (2) One-third of the total members of the Finance Committee shall constitute a quorum. In case the quorum is not complete, the meeting shall be adjourned for half an hour. The meeting shall be reconvened after half an hour at the same venue. Neither a quorum nor a notice shall be necessary in the case of such a meeting.
- (3) All members of the Finance Committee, other than ex-officio members, shall hold office for a term of three years.
- (4) The President shall preside at the meeting of the Finance Committee and in his absence the Registrar shall preside the meeting.
- (5) The Finance Committee shall meet at least twice every year to examine the accounts and to scrutinize proposals for expenditure.
- (6) Powers and functions of Finance Committee:
 - (i) The annual accounts and the financial estimates of the University prepared by the Chief Finance and Accounts Officer shall be laid before the Finance Committee for consideration and comments and thereafter submitted to the Board of Management for approval.
 - (ii) The Finance Committee shall fix limits for the total recurring expenditure and the total non-recurring expenditure for the year, based on the income and resources of the University (which, in the case of productive works may include the proceeds of loans). No expenditure shall be incurred by the University in excess of the limits so fixed.
 - (iii) No expenditure other than that provided for in the budget shall be incurred by the University without the approval of the Finance Committee.

2.1.6 Committee for Advance Studies and Research:

- (1) There shall be a Committee for Advance Studies and Research, hereinafter referred to as the Committee for Advance Studies and Research of the University which shall consist of the following members, namely:-
 - (i) President as Chairman;
 - (ii) Pro-President;
 - (iii) Deans of Faculties;
 - (iv) Directors of Institutes/Schools;
 - (v) Two senior teachers nominated by the Chairperson as members for the period prescribed in nomination; and
 - (vi) Controller of Examinations.
- (2) The Committee for Advance Studies and Research shall meet at least once in each Semester. It may lay down its own rules of procedure for its meetings, including rules for participation of special invitees without a right to vote.
- (3) The President shall preside over the meetings of the Committee for Advance Studies and Research. In the absence of the President, the Pro-President shall preside the meeting.
- (4) The Committee for Advance Studies and Research shall regulate and oversee the formulation and conduct of all Post Graduate, Doctoral and Post-Doctoral instruction and all research programmes of the University, in accordance with the directions of the Academic Council.
- (5) The Committee for Advance Studies and Research shall consider and may approve recommendations of the Studies Committee (Board of Studies) on all academic matters within the scope of Clause (4).
- (6) The Committee for Advance Studies and Research shall formulate procedure for consideration and approval of proposals for registration for M.Phil. / Ph.D. and other doctoral degrees, and for all other matters concerning the supervision and evaluation of research work under such post-graduate and doctoral programmes, and recommend them to the Academic Council.
- (7) The Committee for Advance Studies and Research may authorize the President to act on recommendations made by examiners on M.Phil dissertations and Ph.D. Thesis, in accordance with the procedure laid down in this behalf by relevant Ordinances or Regulations made under these Statutes.
- (8) The Committee for Advance Studies and Research may recommend to the Academic Council criteria for formulation and execution of research proposals by teachers and/or scholars attached to the University.
- (9) The Committee for Advance Studies and Research shall submit its periodic reports to the Academic Council.
- (10) The Committee for Advance Studies and Research may make recommendations to the Academic Council on all matters within its scope of its functions.

2.2 ACTING CHAIRMAN OF MEETINGS :

Where no provision is made for a Chairman to preside over a meeting of an authority of the University or any committee of such authority or when the Chairman so provided for his absent, the members present shall elect one from among themselves to preside at such meeting.

CHAPTER – 3

Manner of Appointment, Powers and Functions of Officers, Controller of Examinations, Head of Departments and University Librarian in the University

3.1 THE CHAIRPERSON.-

3.1.1. (i) **Appointment** : The Chairperson of the University shall be appointed in accordance with the provisions of section 12 of the Act.

(ii) He shall be entitled to all the benefits according to university regulations with the approval of the Board of Management.

3.1.2. Powers :

- (1) In addition to the powers prescribed in section 12 of the Act, the Chairperson shall have the following powers and functions, namely:-
 - (a) all such powers and functions as may inhere in him by virtue of his being the head of the University; and
 - (b) such other powers and functions as may be assigned to him by the Board of Management, from time to time.
- (2) When any exigencies arise, and the Chairperson is of the opinion that it is not possible or convenient, under the circumstances, to convene a meeting of the Board of Management at short notice, he may take any appropriate decision or action as he may deem fit and necessary in the best interests of the University.
- (3) In pursuance of any decisions or actions specified in clause (2) or for purposes of immediate implementation thereof, the Chairperson shall have full powers to issue any order or instruction to all or any of the Authorities, officers, teachers, other academic staff, other employees, ministerial staff, and/or students of the University and such Authority, officer, teacher, other academic staff, employee, ministerial staff, and/or student shall be bound to comply with such order or instruction forthwith. The Chairperson may, at any time, amend or revoke any order or instructions issued by him, provided that such amendment or revocation of order or instructions shall not affect the continuance of proceedings initiated against any persons.
- (4) The Chairperson shall, as soon as practicable, convene an emergency meeting of the Board of Management and submit a detailed report regarding decision or action taken under clause (2) and (3) above.

- (5) The Chairperson shall furnish to the Board of Management such further information as the Board may call for upon receipt of his report under clause (4) hereof.
- (6) The Chairperson shall report all actions or decisions taken by pursuant to clause (2) and (3) to the Board of Management for ratification.
- (7) Upon ratification by the Board of Management, any or all the actions or decisions taken by the Chairperson in exercise of his/her powers under clause (2) and (3) shall not be invalid for want of consultation/approval/ ratification of any Authorities of the University.
- (8) The Chairperson shall be the Chairman of Finance Committee.
- (9) The Chairperson shall appoint the President, Pro-President and Registrar and any other officer/authority in the University which he deems proper as per provisions of the Act.
- (10) If the Chairperson is satisfied, on an enquiry made or caused to be made on a representation made to him or otherwise, that the continuance of the President / Pro-President / Registrar / Chief Finance and Accounts Officer / Dean / Proctor / Provost / Director / Controller of Examinations / or any other designated officer in his office is prejudicial to the interest of the University or the situation so warrants, he may, by an order in writing and stating the reasons therein for doing so, ask the President / Pro-President / Registrar / Chief Finance and Accounts Officer / Dean / Proctor / Provost / Director / Controller of Examinations / or any other designated officer to relinquish his office from such date as may be specified in the order:

Provided that before taking an action under this clause, such officer shall be given an opportunity of being heard.
- (11) The Chairperson shall have the power to terminate/ remove any teacher / employee of University on the ground of misconduct, inefficiency, financial irregularity or any other reason as may be considered not in the interest of the University:

Provided that before taking an action under this clause, such teacher/ employee shall be given an opportunity of being heard.
- (12) The Chairperson, in the interest of the University, may recommend to the President to nominate / appoint any distinguished person on any committee / authority / Teacher / Principal / Director of the University.
- (13) The Chairperson may recommend to the President to appoint Examiners, Professors, Professors of Eminence and such other distinguished categories of Professors, Senior Fellow, Special Fellow, Adjunct Professors, Visiting Professors and Visiting Instructors and lay down criteria and terms and conditions of their services.
- (14) The Chairperson may take any such action in the interest of University which he deems fit.

3.2 THE PRESIDENT:

3.2.1 Appointment:

- (1) The President shall be appointed in accordance with the provisions of section 13 of the Act.
- (2) Only a distinguished scholar or a person with substantial experience in academic, administration shall be appointed as President.
- (3) Whenever the office of the President falls vacant for any reason other than the expiry of the term of appointment, the Board of Management may, in the interest of the University, assign the responsibilities of the President to the Pro-President until a suitable person appointed and the President assumes office as such.
- (4) He shall be entitled to the benefits of Salary, Leave, Medical and other benefits according to the University Regulations for the time being in force.

3.2.2 Power and functions :

- (1) The President shall be the Ex-Officio Chairman of the Academic Council, Finance Committee and Committee for Advance Studies and Research, and shall, in the absence of the Chairperson, preside at the meeting of Board of Management. He may be present at, and to address, any meeting of any authority or other body of the University, but he shall not be entitled to vote unless he is a member of such authority or body.
- (2) It shall be the duty of the President to see that the Statutes, Ordinances and Regulations are duly observed, and he shall have all powers necessary to ensure such observance.
- (3) The President shall have the power to convene or cause to be convened meetings of the Academic Council.
- (4) The President with the written consent of the Chairperson shall have the power to terminate/remove any teacher/employee of University on the ground of misconduct, inefficiency, financial irregularity or any other reason as may be considered not in the interest of the University: Provided that before taking an action under this clause, such teacher/employee shall be given an opportunity of being heard.
- (5) The President may take any such action in the interest of University which he deems fit with the consent of the Chairperson.
- (6) The President shall have the overall supervision and control over the all activities of the University, and shall exercise powers and perform functions on all matters incidental thereto. These powers and functions shall, in appropriate cases, include the following, namely:-
 - (i) to investigate into any incident involving a member of the University, including student;
 - (ii) to institute / authorize institution of inquiries into incidents, situations or affairs of the University;
 - (iii) to call for information from any officer, teacher, member of ministerial staff, or student of the University;

- (iv) to give directions to any student, teacher, officer, or any other employee of the University;
 - (v) to require reports from all bodies / committees / councils / boards of the University constituted under these Statutes, with the exception of the Board of Management;
 - (vi) to establish and review, from time to time, the disciplinary jurisdiction and control of the office of the President, over all students and all employees of the University, and the procedure(s) for exercise of disciplinary powers by designated officers, and to take all measures necessary in this connections, including designation and empowerment of one or more functionaries, in consultation with the Chairperson;
 - (vii) to develop plans and schemes aimed at ensuring excellence in the standards of academic activities of the various academic bodies in the University;
 - (viii) to recommend the Chairperson on all matters relating to holding of any annual and special convocation, or special meeting in honour of any distinguished individual or for commemoration of any event;
 - (ix) to make proposals for Board of Management in respect of the University activities, and powers and functions of all bodies, officers, teachers and other employees of the University;
 - (x) to actively explore the avenues for cooperation with other Universities in India and overseas, and establish working relationship with other institutions, which could play a complementary role for furtherance of the objectives of the University and to execute and sign such documents as may be needed for forging alliances as aforesaid and place before the Board of Management the details of new alliances in the Board Meeting at the earliest opportunity; and
 - (xi) to take all measures necessary and convenient to give effect to the foregoing powers and functions, in consultation with the Chairperson.
- (7) On administrative matters, and on matters of academic affairs that require consultation with or decision by the Board of Management, the President shall act, after consultation with the Chairperson.
- (8) The President may seek the assistance of the Pro-President in exercise of his powers and in performance of his functions.

3.3 THE PRO-PRESIDENT:

3.3.1 Appointment :

- (1) The Pro-President shall be appointed in accordance with the provisions of section 14 of the Act.
- (2) The Chairperson in consultation with the President shall consider a panel of eminent Professors from within or outside the University, and select one of them for appointment as Pro-President.
- (3) He shall be entitled to all the benefits according to the University regulations for the time being in force.

3.3.2 Power and functions :

- (1) In addition to the Powers and functions specified in section 14 of the Act, the Pro-President shall assist the President in exercise of his powers and performance of his functions.
- (2) In the absence of the President or when he is unable for any reason to exercise the powers and perform the functions of the President, the Chairperson may authorize and empower the Pro-President to exercise the powers and perform the functions of the President, until such time as he may deem appropriate.
- (3) In the absence of the President, the Pro-President shall preside over meetings of University whose Chairperson the President is.
- (4) He shall also exercise such powers and perform such functions as may be assigned or delegated to him by the President.

3.4 THE REGISTRAR:

3.4.1 Appointment and Removal:

- (1) The Registrar shall be appointed by the Chairperson in accordance with the provisions of section 18 of the Act, based on the recommendation of the Selection Committee appointed for the purpose.
- (2) The Selection Committee shall consist of the following members:
 - (i) One representative of the Chairperson;
 - (ii) One representative of the Sponsoring body who is also a member of the Board of Management;
 - (iii) One expert nominated by the Board of Management, who is not in any way connected with the University.
- (3) The term of office of the Registrar shall be as mentioned in the order of his appointments by the Chairperson.
- (4) The Registrar shall be entitled to the benefits of Salary, Leave, Medical and other benefits according to the University Regulations for the time being in force.
- (5) When the office of the Registrar is vacant or when the Registrar is, by reason of illness, absence or any other cause, unable to perform the functions of his office, the functions of the office shall be performed by such person as the Chairperson / President may appoint for the purpose.

- (6) The Chairperson, on his own or on the recommendation of President, can ask the Registrar to relinquish his office or terminate his services.
- (7) If the Chairperson is satisfied, on an enquiry made or caused to be made on a representation made to him or otherwise, that the continuance of the Registrar in his office is prejudicial to the interest of the University or the situation so warrants, he may, by an order in writing and stating the reasons therein for doing so, ask the Registrar to relinquish his office from such date as may be specified in the order.

3.4.2 Powers and functions : In addition to the powers and functions specified in section 18 of the Act, the Registrar shall:

- (i) be custodian of the records, the common seal and such other property of the University as the Board of Management shall commit to his charge;
- (ii) issue all notices convening meetings of the Board of Management; Academic Council and of any committees appointed by the authorities of the University;
- (iii) arrange for secretarial and other administrative assistance to all University bodies, established under the Act and these Statutes. He/she shall prepare draft minutes of meetings of those bodies and submit them to the President / Pro-president for approval and thereafter circulate them among the members of the respective bodies;
- (iv) keep the minutes of all the meetings of the Board of Management, Academic Council and of any committees appointed by the authorities of the University;
- (v) conduct the official correspondence of the Board of Management and Academic Council;
- (vi) render all assistance to the Proctor and Provost in management of the affairs of the general administration, hostel administration, and students' affairs under the direction of the President;
- (vii) where the inquiry discloses that a punishment beyond the powers of the Registrar, he shall, upon conclusion of such inquiry, make a report to the President along with his recommendations;
- (viii) represent the University in suits or proceedings by or against the University, sign powers of attorney and verify pleadings or depute his representative for the purpose;
- (ix) upon the direction or with the prior approval of the Chairperson / Board of Management, initiate any legal proceeding on behalf of the University or take all necessary action to protect the interests of the University in any legal proceeding initiated by or on behalf of the University as well as in any legal proceeding initiated against the University;
- (x) represent the University in all proceeding instituted on behalf of or against the University;

- (xi) on the direction or with the prior approval of the Chairperson, sign, verify and file all necessary papers before concerning Court / Tribunal / Authority / Arbitrator etc. Co-ordinate with Advocates or other legal consultants and when necessary, represent and/or appear before any Court, Tribunal, Arbitrator or Government Authorities on behalf of the University to give evidence on oath or otherwise and do all acts, deeds, things as may be necessary as per legal advice to prosecute or defend the matter to protect the interest of the University and report to the President and Chairperson;
- (xii) on the direction or with prior approval of the Chairperson, appoint / authorize any officers who may be given special charge of all or any matters referred to under this clause and/or who may be authorized by the Chairperson to perform all such action as the Registrar may himself be authorized to performs under clause(xi);
- (xiii) perform such other functions as may be required, from time to time, by the Board of Management, Chairperson or the President;
- (xiv) subject to the foregoing and Chapter 5 of these Statutes, the Registrar shall be the operational head of University administration; and
- (xv) have power, in consultation with the President, to take disciplinary action against such employees of the University as may be specified in the orders of the Board of Management / Chairperson / President and to suspend them pending inquiry, to administrative warning to them or to impose on them the penalty of censure or the withholding of increment:

Provided that no such penalty shall be imposed unless the person concerned has been given a reasonable opportunity of showing cause against the action proposed to be taken in regard to him.

3.4.3 Appeal: An appeal shall lie to the President against any order of the Registrar imposing any of the penalties specified in clause (xv) of Statute 3.4.2.

3.5 CHIEF FINANCE AND ACCOUNTS OFFICER:

3.5.1 Appointment and Removal :

- (1) In accordance with the provisions of section 19 of the Act, the Chief Finance and Accounts Officer shall be appointed by the President on the recommendation of the Committee referred to in sub-clause (2) with the approval of Chairperson.
- (2) The Selection Committee shall consist of the following members:
 - (i) President;
 - (ii) One nominee of the Chairperson;
 - (iii) One external expert in financial and accounting affairs as nominated by Board of Management;
 - (iv) One person nominated by the Sponsoring Body; and
 - (v) Registrar.

- (3) The term of office of the Chief Finance and Accounts Officer shall be as mentioned in the order of his appointment by the President.
- (4) When the office of the Chief Finance and Accounts Officer is vacant or when the Chief Finance and Accounts Officer is, by reason of illness, absence or any other cause, unable to perform the functions of his office, the functions of the office shall be performed by a suitable person as the Chairperson / President may appoint for the purpose.
- (5) The qualification pay and other benefits for the post of Chief Accounts Officer shall be according to the University regulations for the time being in force.
- (6) The President, in consultation with the Chairperson, may remove the Chief Finance and Accounts Officer on the ground of misconduct, inefficiency, financial irregularities or any other reason as may be considered not in the interest of the University.

3.5.2 Powers and functions:

- (1) In addition to the powers and functions specified in section 19 of the Act, the Chief Finance and Accounts Officer shall be Member Secretary of the Finance Committee, without right to vote.
- (2) The Chief Finance and Accounts Officer shall perform financial functions as may be assigned to him by the Chairperson / President:

Provided that the Chief Finance and Accounts Officer shall not incur any expenditure more than Rs.50,000/- or make any investment more than Rs.50,000/- without the prior written approval of the Chairperson / President.
- (3) Subject to the control of the Board of Management / Chairperson / President, the Chief Finance and Accounts Officer shall :
 - (i) hold and manage the property and investments including trust and endowed property;
 - (ii) ensure that the limits fixed by the Finance Committee for recurring and non-recurring expenditure for a year are not exceeded and that all moneys are expended on the purposes for which they are granted or allotted;
 - (iii) promote and submit to the Chairperson quarterly, half-yearly and annual cash-flow projections and status of accounts for these periods for the consideration of the Board of Management;
 - (iv) be responsible for the preparation of annual accounts and the budget of the University for the next financial year and for their presentation to the Board of Management;
 - (v) keep a constant watch on the state of the cash and bank balances and on the state of investment;
 - (vi) watch the progress of the collection of revenue and advise on the methods of collection employed;

- (vii) examine ways and means to augment the finances of the University, and to rationalize expenditure, and submit proposals thereon to the Chairperson;
- (viii) have the accounts of the University regularly audited by an internal audit party;
- (ix) ensure that the registers of buildings, lands, furniture and equipments are maintained up-to-date and that the stock checking is conducted, of equipment and other consumable materials in all offices, special centers, specialized laboratories, colleges and institutions maintained by the University;
- (x) call for explanation for unauthorized expenditure and for other financial irregularities and suggest disciplinary action against the persons at fault; and
- (xi) call from any office or institution under the university, any information or returns that he may consider necessary for the performance of his functions.

3.6 DEAN OF FACULTY:

3.6.1 Appointment :

- (1) In accordance with the provisions of section 17 of the Act, the President may, in consultation with the Chairperson, determine the number of Faculties, and the number of categories of disciplines/schools or constitute each Faculty for purposes of academic administration and of appointing a Dean for each such Faculty. He may likewise appoint a Professor as the Dean for each such faculty.
- (2) Head of the Department or a senior Professor of the University designated by the President with the consent of the Chairperson shall exercise the power of the Dean of the Faculty concerned.
- (3) If at any time, there is no Professor in a Faculty, the President, or if so designated by him, the Pro-President, shall exercise the powers of the Dean of the Faculty concerned.
- (4) A Dean of Faculty may resign his office at any time during his tenure.
- (5) When the office of the Dean is vacant or when the Dean is, by reason of illness, absence or any other cause, unable to perform the functions of his office, the functions of the office shall be performed by such persons as the President may appoint for the purpose.
- (6) The President, in consultation with the Chairperson, may remove the Dean of the Faculty on the ground of misconduct, inefficiency, financial irregularities or any other reason as may be considered not in the interest of the University.

3.6.2 Powers and functions:

- (1) In addition to the powers and functions specified in section 17 of the Act, the Dean shall be the Head of the Faculty and shall be responsible

for the conduct and maintenance of the standards of teaching and research in the Faculty.

- (2) The Dean shall supervise and coordinate teaching and research in the Faculty through the Head of Departments, and take steps to promote inter-disciplinary teaching and research wherever necessary.
- (3) The Dean shall formulate policies and development programme of the Faculty and present them before the Academic Council, with the approval of the President.
- (4) The Dean shall coordinate the functioning of the various disciplines / Schools/Institute under his charge, and assist the President in implementing the policies and directions of the Chairperson, the Board of Management and the Academic Council.
- (5) The Dean shall have the right to be present and to speak at any meeting of the Board of Studies or Committee of the Faculty, as the case may be, but not the right to vote unless he is a member thereof.
- (6) The Dean of Faculties shall have the authority to exercise all such disciplinary powers over the staff & students in the Departments as may be necessary for the proper conduct of the Faculty. The Dean may also frame such supplementary rules, as he deems necessary to maintain discipline in the Faculty with the prior approval of President.
- (7) The Dean shall be Incharge of Libraries and Magazine of the Faculty.
- (8) The Dean shall be incharge of all extracurricular activities of the Faculty.
- (9) The Dean shall be incharge of the building, lawns, electric and water supply, fittings, class rooms, equipments and lab furniture of Faculty.
- (10) The Dean in consultation with President may delegate some of his powers to any officer working under him for the sake of administrative control and convenience.
- (11) The Dean shall be overall Incharge of all academic and administrative matters pertaining to Departments in the Faculty and shall also implement all non-academic development plans approved for the Faculty and take all necessary actions / decisions with the permission of President.
- (12) The Dean shall perform such other functions as may be assigned to him by the Chairperson / President and exercise such other powers as may be prescribed by the Regulations, from time to time.
- (13) The Dean of the Faculty shall take suitable steps to have the meeting of the Faculty convened and to give effect to the decisions / recommendations of the Faculty.
- (14) The Dean shall perform such other powers and functions as may be assigned to him by the President / Chairperson and Board of Management.

3.7 PROVOST:

3.7.1. Appointment and Removal :

- (1) The Provost shall be appointed by the President in accordance with the provisions of section 15 of the Act, with the consent of the Chairperson from among the senior teachers / other senior employees of the University.
- (2) The Chairperson may fix, if required an appropriate honorarium to be paid to the Provost and other facilities necessary for performance of his functions shall also be provided to him.
- (3) The Provost shall hold office for a term of two years or as specified in his appointment order and shall be eligible for re-appointment.
- (4) The President, with written consent by Chairperson, may remove the Provost on the ground of misconduct, inefficiency, financial irregularities or any other reason as may be considered not in the interest of the University.

3.7.2. Powers and functions :

- (1) In addition to the powers and functions specified in section 15 of the Act, the Provost shall ensure discipline in the University and shall, in consultation with the President, establish appropriate norms and procedures therefore.
- (2) The President may, from time to time, authorize the Provost with any special responsibilities, as he may deem appropriate. The Provost may hold special or general inquiries into any situation involving the conduct of any employee or student of the University causing or likely to cause breach of the peace and order in the University campus.
- (3) The President shall, in consultation with the Chairperson, make provision for the necessary administrative support for the office of the Provost.

3.8 PROCTOR:

3.8.1 Appointment and Removal :

- (1) The President, in accordance with the provisions of section 16 of the Act, may, in consultation with the Chairperson, select and appoint a senior teacher of the University to function as Proctor in an honorary capacity, for a period of two years or as specified in his appointment letter and shall be eligible for re-appointment.
- (2) The Chairperson may fix, if required an appropriate honorarium to be paid to the Proctor and other facilities necessary for performance of his functions shall also be provided to him.
- (3) The President with written consent of the Chairperson, may remove the Proctor on the ground of misconduct, inefficiency, financial irregularities or any other reason as may be considered not in the interest of the University.

3.8.2 Powers and Functions :

- (1) In addition to the powers and functions specified in section 16 of the Act, the Proctor shall be responsible for the maintenance of discipline among the students and shall, in consultation with the President, establish appropriate norms and procedure therefore.
- (2) The President may, as he may deem appropriate, require the Proctor to work in harmony with Provost.
- (3) The President, shall, in consultation with the Chairperson, make provision for the necessary administrative support for the office of the Proctor.

3.9 CONTROLLER OF EXAMINATIONS:

3.9.1 Appointment and Removal :

- (1) The Controller of Examinations shall be a whole-time salaried employee of the University and shall be appointed by the President in accordance with the provisions of section 20 of the Act, on the recommendation of Selection Committee constituted for the purpose with the consent of the Chairperson. The qualifications and grade of pay for the post of Controller of Examination shall be such as specified in the guidelines issued by University Grants Commission, from time to time.
- (2) When the office of the Controller of Examinations is vacant or when he is, by reason of illness, absence or any other cause, unable to perform the functions of his office, the functions of the office shall be performed by such person as the President, in consultation with the Chairperson, may appoint for the purpose.
- (3) The President, with written consent of the Chairperson, may remove the Controller of the Examination on the ground of misconduct, inefficiency, financial irregularities or any other reason as may be considered not in the interest of the University.

3.9.2 Powers and functions : The Controller of Examination shall:

- (i) take all measures necessary to ensure impartial, safe and secure conduct of the entire examination process from preparation of question papers to the declaration of results.
- (ii) control the conduct of all University examinations and admissions to the University and supervise all other arrangements necessary therefore and the execution of all processes connected therewith in accordance with the manner prescribed by the Ordinance on Examinations;
- (iii) issue all notices for convening meetings of the Board of Examinations, Admission Committee, Faculties and the Board of Studies appointed by authorities of the University in connection with the examinations and maintain and keep the minutes of all such meetings.

- (iv) call from any office or institution / faculty under the University any information or returns that he may consider necessary for the performance of his functions and to discharge his responsibilities; and
- (v) notwithstanding anything contained in these Statutes, the Ordinances and the Regulations, perform such other functions, administrative or academic, as may be specified, from time to time, by the Board of Management, Chairperson or the President.

3.10 HEAD OF DEPARTMENT:

3.10.1 Appointment and Removal :

- (1) Each Department shall have a Head whose functions and terms and conditions of appointment shall be laid down by the Academic Council. Normally a senior most professor shall be appointed Head of Department by the President, but in the department where there is more than one Professor, the President may appoint any Professor as Head of Department. Where there is no Professor, the President may appoint any Associate Professor as Head of Department.
- (2) If deem fit, the President can appoint a Head of Department by rotation from among the Professors (or where there is no Professor, from among the Associate Professor) by seniority for a period specified in the appointment orders.
- (3) The President may remove the Head of Department on the ground of misconduct, inefficiency, financial irregularities / or any other reason as may be considered not in the interest of the University.

3.10.2 Powers and Functions : The Head of Department shall :

- (i) be responsible for the organization and conduct of teaching and research of his Department and for that purpose shall pass such orders as may be necessary in consultation with the Dean of the Faculty;
- (ii) tender advice to the Dean of faculty on all matters pertaining to his field in respect of teaching and research;
- (iii) submit to the Dean of faculty concerned the budgetary needs of his Department;
- (iv) recommend to Dean of faculty the work load of each member of the staff with respect to teaching and research;
- (v) assume responsibility for all University properties and facilities assigned to his department;
- (vi) recommend to the Dean of faculty proposals for making improvement in the working of his Department; and
- (vii) be Chairman of Board of Studies of his department, he shall be responsible to record and circulate the minutes of the meetings and send these to respective authorities.

3.11 UNIVERSITY LIBRARIAN:

3.11.1 Appointment and Removal:

- (1) The University Librarian shall be appointed by the President on the recommendation of a Selection Committee constituted for the purpose as per norms and guidelines of regulatory bodies.
- (2) The qualifications for the post of University Librarian as per the guidelines of the regulatory bodies and he shall be entitled to get salary and the other benefits according to the University regulations for the time being in force.
- (3) The President can terminate the services of the University Librarian on the ground of misconduct, inefficiency, financial irregularities or any other reason as may be considered not in the interest of the University.

3.11.2 Powers and Function : The University Librarian shall be responsible for the maintenance of all libraries of the University. The Librarian shall:

- (i) have general overall supervision of the University libraries and library personnel, including all campuses and departmental libraries or collection;
- (ii) prepare the library budget for the University libraries;
- (iii) advise at the beginning of each financial year the amount of money that will be available for the purchase of library materials for each of the respective libraries, including the department collections;
- (iv) have the responsibility of receiving and accessioning all library materials;
- (v) have the responsibility of initiating the purchase requisitions for all library materials;
- (vi) have the responsibility of renewing in time subscriptions to journals;
- (vii) prepare a library newsletter at periodic intervals which will carry a list of all library materials received since the last preceding newsletter and other timely library news of interest of students and staff;
- (viii) initiate, participate and cooperate in programme designed to stimulate and encourage the use of the library by students and staff;
- (ix) arrange library hours which will permit maximum library use by both students and faculty; and
- (x) arrange for department small collections of volumes and journals that are in almost constant use by the staff and post-graduate students as references.

3.12 OTHER OFFICERS:

The Chairperson may, in accordance with the provisions of section 20 of the Act, declare and designate any deserving person as Officer of University or create new post as per requirement of University and declare it as Officer of University.

CHAPTER – 4

Appointment of Teachers & Employees and Service Conditions of Officers, Teachers & Employees of the University

4.1 DESIGNATION OF TEACHERS:

4.1.1 The following shall be the teachers of the University:-

- (i) Professors/ Directors of Institute / equivalents conducting teaching and guiding research.
- (ii) Associate Professors / equivalent conducting teaching and guiding research.
- (iii) Assistant Professors / equivalents conducting teaching and guiding research.
- (iv) Demonstrators/Tutors / Senior Residents conducting teaching.
- (v) Director, Deputy Director and Assistant Director of Physical Education.
- (vi) University Librarian, Deputy Librarian and Assistant Librarian.

4.1.2 Manner of Appointment:

- (1) Whenever vacancies arise or when new posts are created, the appointment on such teaching posts shall be made through direct recruitment or by promotion of candidates available in the University.
- (2) All the appointments to the posts of teachers in the University shall be with the approval of the Chairperson on the recommendation of a Selection Committee in accordance with the provisions of these Statutes. The posts shall be duly advertised with such qualifications as have been prescribed by the regulating bodies for each category of teaching posts. The candidates concerned shall be interviewed by the Selection Committee, except in case where such committee decides to consider the case of a candidate, otherwise than by an interview.
- (3) The Selection Committee shall consist of:
 - (i) President;
 - (ii) Pro-President;
 - (iii) Nominee of Chairperson;
 - (iv) Dean of Faculty; and
 - (v) Two experts in the concerned discipline:

Provided that for making temporary appointments to posts of teachers for the temporary vacancy, an appointment shall be made on the recommendation of a Local Selection Committee consisting of President; Dean of the Faculty and Director / Head of the Department.

- (4) The President or in his absence, the Pro-President shall preside at the meetings of the Selection Committee.

- (5) Notwithstanding anything contained in the foregoing clauses of these Statutes, the Chairperson may invite a person of high academic distinction and professional attainment to accept a post of Professor in the University, on such terms and conditions as he deems fit, and on the person agreeing to do so, appoint him to the post.
- (6) The President, with the approval of the Chairperson may appoint a teacher or any other academic staff working in any other University or institution for undertaking a joint project.

4.2 ADMINISTRATIVE / MINISTERIAL / OTHER NON-TEACHING EMPLOYEES:

4.2.1 Appointment :

- (1) The employee of University for the purpose of these Statutes mean administrative / ministerial / other non-teaching employee. It excludes persons working on contract or casual basis.
- (2) Whenever vacancy of administrative / ministerial / other non-teaching employees arises or new post is created,-
 - (i) appointment on such post in the University shall be made by the President with the approval of the Chairperson on the recommendation of a Selection Committee in accordance with the provisions of these Statutes after such posts have been duly advertised with such qualification as have been prescribed for the post.
 - (ii) The Selection Committee for appointment to the administrative / ministerial / other non-teaching employees posts shall consist of the President, Registrar and one nominee of Chairperson or any committee constituted by the Chairperson:
Provided that the President or in his absence, the Pro-President shall preside at the meetings of the Selection Committee.

4.2 SERVICE CONDITIONS FOR TEACHERS, OFFICERS AND OTHER EMPLOYEES:

- 4.3.1 The Board of Management shall formulate the terms and conditions of appointment and service of faculty members officers and employees.
- 4.3.2 The Registrar shall issue the appointment letters of faculty members, officers and employees in accordance with the policies and procedures as formulated by the Board of Management.

CHAPTER – 5

Grievance Redressal and Resolution of Disputes

5.1 GRIEVANCE REDRESSAL AND DISPUTES SETTLEMENT MACHANISMS:

- (1) The President may, in consultation with the Chairperson, appoint a senior teachers as the Dean of Students Welfare to oversee the welfare of the students. The President may, likewise, appoint teacher to assist the Dean of Student Welfare in performance of his functions. The Dean of the Students Welfare shall have the overall charge of all extramural activities of the students. He shall be assisted by such staff as may be deemed appropriate by the Chairperson. However, President can appoint any officer / teacher of the University, for the redressal of grievances, resolution of disputes and taking appropriate action in the matter.
- (2) Grievances or complaints, if any, from students shall be heard by the Dean of Students Welfare / Officer designated by President and he may make appropriate recommendations to the President.
- (3) The Board of Management shall establish appropriate grievance redfressal mechanism for dealing with grievances or complaint, if any, from officers, teachers and other employees of the University. For this purpose, there shall be a Grievance Cell directly under the President.
- (4) In respect of any in-house proceedings on grievances, complaints or disputes, no outside individual or agencies shall be entitled to have access.

CHAPTER – 6

Maintenance of the Discipline among Students of the University

6.1 DISCIPLINE:

- (1) All powers relating to discipline and discipline action in relation to students shall vest in the President.
- (2) The President may delegate all or any of his/her powers as he/she deems proper to the Proctor and such other officers as he may specify in this behalf.
- (3) Without prejudice to the generality of his powers relating to the maintenance of discipline and checking anti-social and illegal activities and taking such action, in the interest of maintaining discipline as may seem to him appropriate, the President may, in the exercise of his powers, by order, direct that any students or students be expelled, for a specified period, or be not admitted to a course or courses of study in a faculty, Department or Institution for a stated period, or be punished with fine for an amount to be specified in the order, or debarred from taking a University or Department Examination or Examinations for one or more years, or that the results of the students or students concerned in the Examination or Examinations in which he/she or they have appeared be cancelled or he/she/they may even be expelled from the course forever as the President may deem fit.
- (4) The Dean of Faculties and Head of Teaching Departments in the University shall have the authority as specified by Ordinances to exercise all such disciplinary powers over the students in their respective Institutions, Faculties and Teaching Departments in the University as may be necessary for the proper conduct of the Institutions / Faculty and teaching in the concerned Departments.
- (5) Without prejudice to the powers of the President and the Proctor as aforesaid, detailed rules of discipline and proper conduct shall be framed by the University. The Dean of Faculties and Heads of Teaching Departments in the University may frame such supplementary rules, as they deem necessary for the aforesaid purposes. Students shall be notified of rules so made.
- (6) At the time of the admission, every student shall be require to sign a declaration to the effect that he submits himself to the disciplinary jurisdiction of the President and the other authorities of the University.
- (7) The University shall evolve its own academic and general ethics after full discussion in the Academic Council and incorporate the same in its Regulations, for strict observance by the students of the University.

CHAPTER – 7

Powers in Respect of Granting Degrees

7.1 GRANT OF DEGREES:

Based on the approval of the Academic Council and recommendation of the Board of Management, Certificates, Diplomas, Degrees and Research (Ph.D.) shall be conferred / awarded by the University on successful completion of the academic requirements for a given programmes / course.

7.2 CONVOCATIONS:

- (1) Convocation for conferring its Ph.D., Degrees, Diplomas and certificates, and other academic distinctions may be held by the University once in a year on such date and time as the Board of Management may fix.
- (2) A special Convocation may be held by the University with the prior approval of the Chairperson.
- (3) The Procedure to be observed at the Convocations for the conferring of Degrees or for other purposes shall be held in such manner as may be prescribed by the Ordinances.
- (4) Where the University does not find it convenient for the specific year to hold the convocation in accordance with Statutes, the Ph.D., degrees, diplomas, certificates and other academic distinctions, may be handed over personally or dispatched to the candidates concerned by registered post.
- (5) The University in special circumstances on the recommendation of Board of Management shall considered to confer honorary Doctorate (Ph.D.) degree to any renowned person(s) of society in India or overseas.

CHAPTER – 8

Fee and Scholarships

8.1 FEE AND SCHOLARSHIPS:

- (1) The University shall charge fee for various courses / programmes of study in accordance with the provisions of section 33 of the Act as recommended by Fee Structure Committee and approved by of the Board of Management.
- (2) The Finance Committee, on the recommendation of its subordinate Committee viz. Fee Structure Committee and Financial Support and Scholarship Cell etc., may decide the grant of scholarships, keeping in view the recommendations of the Academic Council and the rules framed for the purpose.

CHAPTER – 9

Policy of Admissions

9.1 ADMISSION:

- (1) Admission to the various programs of the University shall be based only on merit and subject to provisions of section 32 of the Act.
- (2) Reservation of seats in admission shall be provided as per policy of the State Government, from time to time.

CHAPTER – 10

Number and Alteration of Seats and Revision of Syllabi

10.1 NUBER AND ALTERATION OF SEATS:

- (1) The number of seats in different courses and alteration of seats in different courses shall be governed by these Statutes and shall be decided as per approval from regulating body of course concern or by the University where no regulating body for any course exist or where Council's approval is not required.
- (3) On the recommendations of the Faculty, the Academic Council shall consider the proposal in respect of number of seats or alteration / increase in seats in all the courses in the particular academic year and direct the necessary action.

10.2 SYLLABI:

The Syllabi of a course / programme of study shall be subject to revision periodically as per need and development in the field of study or revised syllabi recommended by regulating body shall be adopted as such. The Academic Council shall approve the revised syllabi on the recommendation of Board of Studies and Faculty.

CHAPTER – 11

Financial Procedures

12.1 ACCOUNTING POLICIES AND PROCEDURES.-

- (1) The accounting period of the University will be of duration of 12 months commencing from 1st April of the year and ending on 31st March of the year.
- (2) Following shall be the source of income of the University:
 - (i) Fee received from students for the course of study;
 - (ii) Donations from individuals / societies / trusts / firms / companies / national / international organizations;
 - (iii) Borrowed funds viz. loan from any financial institutions /banks (Government/ Private); and
 - (iv) Any other source approved by the authorities of the University.
- (3) Following shall be expenditure heads:
 - (i) Academic;
 - (ii) Administrative;
 - (iii) Infrastructure / building development and maintenance of buildings;
 - (iv) Laboratory and office equipments;
 - (v) Consumables items;
 - (vi) Repairs and maintenance;
 - (vii) Expenditure on establishment of new department, college / institution, campus in State, Country and anywhere; and
 - (viii) Any other expenditure as approved by the authorities / Chairperson of the University.
- (4) All the assets of the University shall be maintained in the name of the University. In the event of dissolution of the University all the assets and liabilities of the University shall vest in the Sponsoring Body as per section 43 and 44 of the Act.
- (5) The accounts of the various divisions, departments, institutions and campuses of the University shall be consolidated by the Chief Finance and Accounts Officer and he shall prepare the final annual accounts, consisting of the Income and Expenditure Account and the Balance Sheet of the University and place the same before the Finance Committee for comments. The appropriations of excess income over expenditure or the absorption of excess expenditure over the income shall be decided by the Finance Committee. The accounts will thereafter be adopted by the Board of Management, after which they will be audited by the Auditors appointed by the Board of Management.
- (6) Chief Finance and Accounts Officer shall be responsible for maintaining the statements of income, expenditure and accounts of the University.

- (7) The Annual accounts and balance sheet of the University shall be prepared under the direction of the Board of Management and shall, once at least every year, be audited by a qualified practicing Chartered Accountant.
- (8) Annual budget of the University shall be prepared by Chief Finance and Accounts Officer and presented to the Board of Management for approval.
- (9) Appointment of Auditors :
 - (i) The Board of Management shall appoint a qualified firm of Chartered Accountants as the statutory auditors of the accounts of the University.
 - (ii) The First statutory auditors shall be appointed in the first meeting of the Board of Management, and the subsequent statutory auditors shall be appointed at the meeting of the Board of Management convened to approve the accounts of the previous period.
 - (iii) The Board of Management may appoint Internal Auditors to conduct periodical and concurrent audit to report the findings to the Board of Management.

CHAPTER – 12

Establishment of Off-Campus(es) and Creation of New Department(s) & Abolition or Restructuring of Existing Department(s)

- 12.1 The new Department(s) / Faculty(ies) / Institute(s) / Off-Campus(es)/ Study Centre(s) / Counselling & guidance Centre(s) shall be established within the campus of the University by the University on the recommendation of the Academic Council. All the rules, ordinances and regulations shall be framed and approved by the Chairperson on the recommendations of the Academic Council.
- 12.2 University may establish within the campus of the University, from time to time, specialized laboratories or other units for research and instructions, study centres/ off-campus(es) / counseling & guidance centre(s) and may also launch the study programme in distance / correspondence mode, as are in the opinion of the University as per the act, necessary for furtherance of its objects within the State, subject to the prevailing laws.
- 12.3 The proposal for abolition or restructuring of existing department(s) be submitted by the head of concerned department / institute of the University to the Registrar of the University which shall be placed before the Academic Council for consideration. On the recommendation of the Academic Council, the Registrar shall place the proposal, before the Board of Management for their consideration and approval.
- 12.4 Dean Faculty / Institute of the University, desirous of launching a new academic programme as per the provision of the Act and shall submit to the Registrar of the University, the proposal in respect of the same programme preferably before the start of academic year in which the programme is to be launched.
- 12.5 The proposal for launching a new academic programme / course shall be submitted to the Registrar in a prescribed format. The Registrar shall place the proposal, before the Academic Council for consideration.
- 12.6 On the recommendation of the Academic Council, the Registrar shall place the proposal, alongwith the modifications or additions suggested by Academic Council, if any, before the Chairperson for consideration and approval.
- 12.7 The Registrar shall convey the decision to the concerned unit, which had initiated the proposal.

**By order of the Board of Management of the
Sunrise University, Bagad Rajput (Alwar)**

**(Dr. R.S. Parihar)
Registrar**

By order of the Governor,

**(Pawan Kumar Goyal)
Principal Secretary, Higher Education**